RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:32 ता. 25 जूलाई 2023, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

विधानसभा चुनाव से पहले तेलंगाना सरकार का बड़ा दांव, अल्पसंख्यकों को मिलेंगे एक लाख रुपये

विधानसभा चुनाव से पहले तेलंगाना सरकार ने बड़ा दांव चला है। राज्य सरकार अल्पसंख्यक परिवारों को एक लाख रुपये की आर्थिक मदद देने जा रही है। सीएम केसीआर ने इसे मील का पत्थर बताया है।

हैदराबाद। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव और 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले केसीआर सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए बड़ा ऐलान किया है। सीएम के चंद्रशेखर राव ने अल्पसंख्यकों के लिए शत प्रतिशत सब्सिडी के साथ एक लाख रुपये की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है। हालांकि भाजपा ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे तुष्टीकरण का नाम दिया है।

कितनी आय वालों को मिलेगा फायदा

तेलंगाना सरकार के मुताबिक अल्पसंख्यकों के हर परिवार को एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह रकम कभी वापस नहीं करनी होगी। हालांकि इस योजना का फायदा उठाने के लिए परिवार की शहरी क्षेत्र में सालाना आय 2 लाख और ग्रामीण क्षेत्र में 1.5 लाख से कम होनी चाहिए। इसका लाभ मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध और पारसी उठा सकते हैं। इसके आलावा आयु सीमा 2 जून 2023 को 21 वर्ष से 55 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

अभी इस योजना के लिए बजट का आवंटन और कुल लाभार्थियों की संख्या के साथ राज्य सरकार पर आने वाले बोझ की गणना बाकी है। राज्य सरकार में अल्पसंख्यक मंत्रालय के सचिवसैयद उमस जलील की तरफ से ये ऐलान किए गए हैं। सरकार की तरफ से कहा गया है कि योग्यता और क्रीइटीरिया को लेकर भी पूरा दिशानिर्देश जल्द ही जारी किया जाएगा।

चरणबद्ध तरीके से लागू होगी योजना

जानकारी के मुताबिक तेलंगाना सरकार चरणबद्ध तरीके से योजना का लाभ देगी। विधानसभा चुनाव से पहले सभी को इसका फायदा मिलना मुश्किल है। राजद्य में लगभग 52 फीसदी पिछड़ी जातियां हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक मुस्लिम 13 फीसदी, ईसाई 1.27 फीसदी, सिख और बौद्ध 0.09 फीसदी और जैन 0.08 फीसदी हैं। केसीआर ने कहा कि यह योजना लोगों को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

तेलंगाना सरकार के मुताबिक अल्पसंख्यकों के हर परिवार को एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह रकम कभी वापस नहीं करनी होगी।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना अल्पसंख्यकों की देखभाल के नजरिए से पूरे देश के लिए मिसाल है। तेलंगाना के सीएम ने कहा कि सरकार अल्पसंख्यकों के लिए यह योजना लागू करके गरीबी खत्म करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को नए रोजगार शुरू करने और शिक्षा में मदद मिलेगी। सरकार सभी संस्कृतियों और परंपराओं की रक्षा के लिए काम कर रही है ताकि गंगा जमुनी तहजीब बची रहे।

संघ के वरिष्ठ प्रचारक मदन दास देवी का बेंगलुरु में निधन, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक मदन दास देवी का आज सुबह निधन हो गया। 81 वर्षीय मदन दास ने बेंगलुरु में अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। संघ के प्रचार विभाग के अनुसार संघ के पूर्व सह सरकार्यवाह और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व राष्ट्रीय संगठन मंत्री मदन दास देवी ने सुबह 5 बजे राष्ट्रोत्थाना हॉस्पिटल, राजराजेश्वरी नगर, बेंगलुरु में अंतिम सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शनों के लिए बेंगलुरु में संघ के प्रांत कार्यालय में दोपहर 1:30 बजे से शाम चार बजे तक रखा जाएगा। उनका अंतिम संस्कार पुणे (महाराष्ट्र) में कल सुबह 11 बजे होगा। शोक की इस घड़ी में प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया है- मदन दास देवी जी के देहावसान से अत्यंत दुख हुआ है। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा में समर्पित कर दिया। उनसे मेरा न सिर्फ घनिष्ठ जुड़ाव रहा, बल्कि हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिला। शोक की इस घड़ी में ईश्वर सभी कार्यकर्ताओं और उनके परिवारजनों को संबल प्रदान करे। ओम शांति!

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने तीन कुकी उग्रवादी मार गिराए

इंफाल। सुरक्षा बलों ने दो दिन के कड़े संघर्ष में तीन संदिग्ध कुकी उग्रवादी मार गिराए। इस संघर्ष में एक अन्य महिला घायल हो गई। यह मुठभेड़ बिष्णुपुर जिले के फौगाकसाओ इखाई पुलिस थाने के तहत तोरबुंग इलाके में सुरक्षा बलों, ग्राम स्वयंसेवकों और कुकी उग्रवादियों के बीच हुई। इस दौरान भीषण गोलीबारी हुई। कुकी उग्रवादियों की गोली से रविवार रात घायल हुई महिला का इंफाल के राज मेडिसिटी में इलाज चल रहा है। घायल की पहचान क्वाक्ता वार्ड नंबर 1 के एक एमडीग्राफर की पत्नी 24 वर्षीय सेहनाज के रूप में हुई है।

मुस्लिम बनेगी भारत की अंजू?

पाकिस्तानी लवर नसरुल्लाह ने बताई आगे की प्लानिंग

नई दिल्ली। राजस्थान के भिवाड़ी से पाकिस्तान के खै़बर पख़ूतूनख़ूवा पहुंची भारत की अंजू सुर्खियों में है। वजह है- 35 साल की अंजू को सोशल मीडिया पर 29 वर्षीय पाकिस्तानी शख्स नसरुल्लाह से प्यार हो गया। पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर का केस इससे काफी मिलता-जुलता है। फर्क सिर्फ दो हैं। पहला अंजू वीजा से पाकिस्तान पहुंची है और दूसरा वह सीमा की तरह अपने बच्चों को लेकर नहीं आई। अंजू दो बच्चों और पति को भारत में ही छोड़ नसरुल्लाह से मिलने पाकिस्तान जा पहुंची है। बीबीसी की रिपोर्ट है कि अंजू इस वक्त नसरुल्लाह से सगाई करने पाकिस्तान आई है। फिर वापस भारत चली जाएगी। इस बीच नसरुल्लाह ने यह भी बताया कि अंजू शादी के बाद मुस्लिम धर्म अपनाएगी या हिन्दू बनी रहेगी? पाकिस्तान के कराची शहर से कुछ दूर एक गांव से अपने चार बच्चों को लेकर सीमा हैदर बिना वीजा के उस पार से इस पार आ गई। वह अपने प्यार सचिन मीणा के साथ नोएडा में रह रही है। हालांकि पुलिस और एटीएस समेत तमाम सुरक्षा एजेंसियां सीमा से कड़ी पूछताछ कर रहे हैं। सीमा पर आईएसआई जासूस होने का आरोप है। लोग सीमा हैदर को पाकिस्तान वापस भेजने की भी वकालत कर रहे हैं। अब हम बात करते हैं मूल रुप से उत्तर प्रदेश के कैलोर गांव की रहने वाली अंजू की। मीडिया रिपोर्ट्स हैं कि वह शादीशुदा हैं और दो बच्चों की मां है। कुछ साल पहले उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर नसरुल्लाह से प्यार हो गया था। दोनों ने एक होने का निश्चय किया और वैध तरीके से एक-दूसरे को अपनाएंगे।

अजित पवार के नए दांव से तिलमिलाए शरद पवार और उद्धव ठाकरे, पर शिंदे गुट के विधायक गदगद क्यों?

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में शह-मात का खेल जारी है। अब उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभालने के कुछ दिनों के अंदर ही ऐसा दांव चला है, जिससे चाचा शरद पवार और उनके समर्थक तिलमिला उठे हैं। भतीजे अजित पवार ने अपने साथ बगावत करने वाले एनसीपी विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अधिक विकास निधि आवंटित करना शुरू कर दिया है। इतना ही नहीं जूनियर पवार ने शिवसेना (शिंदे) गुट के विधायकों को भी इसका फायदा पहुंचाया है। शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी के शरद पवार गुट के विधायकों ने इस फंड आवंटन पर गड़बड़ी का दावा किया है। अजित पवार ने अनुपूरक मांग प्रावधान के तहत 1,500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिनमें से अधिकांश एनसीपी और शिवसेना के बागी विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं को निधि देने के लिए खर्च किए जाएंगे। एनसीपी के बागी विधायकों और शिंदे गुट और भाजपा के विधायकों को 25 करोड़ रुपये और उससे अधिक की परियोजनाएं आवंटित की जा रही हैं। यह घटनाक्रम कई कारणों से दिलचस्प है। अजित पवार के करीबी विधायकों को इस विकास निधि का अधिक आवंटन शरद पवार गुट के वफादार विधायकों को अपने खेमे में लाने के लिए प्रोत्साहन के रूप में देखा जा रहा है। अजित के साथ एनसीपी के 53 में से करीब 40 विधायक बताए जा रहे हैं। फंड आवंटन पर शरद पवार गुट के राज्य एनसीपी प्रमुख जयंत पाटिल ने श्वञ्ज से कहा, मैं भी वित्त मंत्री था और मुझे आश्चर्य है कि अनुपूरक अनुदान का आंकड़ा इतनी बड़ी संख्या में पहुंच गया है। ऐसा लग रहा है कि जो कोई भी धन मांग रहा है, उसे आवंटित किया जा रहा है और सभी के सपने पूरे किये जा रहे हैं। गौरतलब है कि शरद पवार गुट के करीबी अन्य NCP विधायकों जैसे जितेंद्र अव्हाड को पूरक अनुदान में कोई धनराशि नहीं मिली है, जबकि जयंत पाटिल के निर्वाचन क्षेत्र - इस्लामपुर में परियोजनाओं के लिए धन आवंटित किया गया है।

एटा में बड़ा हादसा, नहर में गिरी कार, परिवार के 4 समेत 5 लोगों की मौत

एटा। तबीयत खराब होने पर गंजडुंडवारा से एटा दिखाने आ रहे पांच लोगों से भरी स्विफ्ट कार नहर में गिर गई। इस हादसे में पांचों लोगों की मौत हो गई। मौत के बाद गांव भर में कोहराम मच गया। जनपद कासगंज के थाना गंजडुंडवारा के गांव अंडउआ निवासी नीरज की पत्नी विनीता को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। ऐसे में पास ही के गांव से शिवम की कार को मंगाया। कार में विनीता के पति नीरज, चचिया ससुर तेजेंद्र और चचिया सास संतोष को साथ लेकर एटा दिखाने के लिए आ रहे थे। कार ऑन घाट से आगे निकल पाई थी कि खारजा नहर में कार गिर गई। कुछ देर बाद भाई ने फोन कर जानकारी की तो सभी के मोबाइल बंद आ रहे थे। उस देर इंतजार के बाद परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की तो, कहीं पता नहीं चला तो इसकी सूचना पुलिस की दी।

आरोप है कि पुलिस ने घटना को गंभीरता से नहीं लिया। कहीं पता नहीं चला। सुबह 5 बजे कार नहर में पड़ी दिखाई दी। पास जाकर देखा तो 5 लोगों की मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची थाना कोतवाली देहात पुलिस ने 5 लोगों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। धनंजय कुशवाह ने बताया संभावना है कि गाड़ी रफ्तार तेज रही होगी। जिस स्थान पर हादसा हुआ है। वहां एक मोड़ है।

यमुना का जलस्तर बढ़ने के बाद दिल्ली में हाई अलर्ट घोषित, मदद के लिए 60 टीमें तैयार

नई दिल्ली। दिल्ली में उफनती यमुना नदी ने एक बार फिर सरकार और दिल्लीवालों की टेंशन बढ़ा दी है। दिल्ली में सोमवार को सुबह 7 बजे ओल्ड यमुना ब्रिज पर जलस्तर 206.56 मीटर दर्ज किया गया जो रविवार रात 10 बजे 206.44 मीटर था। दिल्ली के बाढ़ एवं सिंचाई विभाग मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यमुना के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए संबंधित विभागों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की टीमें अलग-अलग इलाके में नजर बनाए हुए हैं। यमुना नदी के जलस्तर का खतरे का निशान 205.33 मीटर पर है। उन्होंने रविवार को दिल्ली में बाढ़ की आशंका को देखते हुए तैयारियों का जायजा लिया। वह वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट भी गए, जो पिछली बार बाढ़ का पानी भरने से बंद हो गया था। उन्होंने दावा है कि इस बार पानी बढ़ा तब भी प्लांट चलता रहेगा।

यमुना का बहाव क्षेत्र छोटा होने से बिगड़ रहे हालात, जानें कौन जिम्मेदार?

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए सौरभ भारद्वाज ने बताया कि एक बार फिर से यमुना का जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया है। इस वक्त यमुना का जलस्तर 206 मीटर पर है, जो कि खतरे के निशान से ऊपर है। उन्होंने कहा कि हथिनी कुंड बैराज से लगातार 2 लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा जा रहा है, जिसके चलते जलस्तर बढ़ा है। इसे देखते हुए दिल्ली सरकार ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। उन इलाकों में भी नजर रखी जा रही है, जहां पिछली बार पानी भर गया था। कुल 60 टीमें इसके लिए लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि पिछली बार यह स्तर 208 मीटर के ऊपर तक गया था, जिस कारण वजीराबाद, ओखला, और चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद हो गए थे। इस बार ऐसा नहीं होगा।

एक मीटर ऊपर बह रही यमुना : शनिवार को यमुना का जलस्तर घटकर 205.09 मीटर तक आ गया था। उसके बाद हथिनीकुंड बैराज से लगातार छोड़े जा रहे लाखों क्यूसेक पानी के कारण रविवार तड़के चार बजे एक बार फिर यह खतरे के निशान को पार कर गया। यमुना खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर बह रही है। केंद्रीय जल आयोग का कहना है कि अभी पानी बढ़ने का सिलसिला जारी रहेगा। रात एक से तीन बजे के बीच जलस्तर 206.70 मीटर तक पहुंच सकता है। हालांकि, राहत वाली खबर यह है कि रविवार देर शाम से हथिनीकुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी की मात्रा 40-45 हजार क्यूसेक रह गया है।

कैसे सर्वे करता है एएसआई ? ज्ञानवापी केस में सच सामने लाने को इस्तेमाल होगी यह तकनीक

वाराणसी। वाराणसी कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे के पक्ष में फैसला सुनाते हुए एएसआई को सर्वे के लिए मंजूरी दे दी है। सोमवार से ही परिसर का सर्वे शुरू हो जाएगा। लंबे समय से हिंदू पक्ष ज्ञानवापी परिसर के सर्वे की मांग कर रहा था। हिंदू पक्ष का दावा है कि मंदिर को तोड़कर मस्जिद का निर्माण किया गया था और हिंदू धर्म से संबंधित साक्ष्य अब भी वहां मौजूद हैं। फिलहाल लोगों के मन में यह सवाल भी है कि एएसआई यानी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग किस तरह से यह सर्वे करता है और इसमें किस तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।

किसके अधीन काम करता है एएसआई

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग संस्कृति मंत्रालय के अंतरगत काम करता है। इसका काम देश की सांस्कृतिक धरोहरों का रखरखाव और अनुसंधान करना है। देश की पुरानी इमारतों का जिम्मा एएसआई को ही दे दिया गया है। 1861 के इसकी स्थापना के बाद से ही विभाग धरोहरों को सहेजने में पूरा योगदान दे रहा है। 1958 के संस्कमारक एवं पुरातत्वीय स्थल अवशेष कानून के तहत यह संबंधित मामलों के रेग्युलेशन का भी काम करता है।

सर्वे में किस तकनीक का इस्तेमाल

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण सच सामने लाने की कोशिश करता है। यह पुरानी इमारतों में ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार और अन्य आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके पता लगाने की कोशिश करता है कि यहां मौजूदा समय से पहले क्या हुआ करता था। ज्ञानवापी केस में भी एएसआई ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार का इस्तेमाल करेगा। इसके अलावा एएसआई की एक टीम आगे और पीछे सीधी रेखाओं में चलकर पता लगाएगी कि दीवार या नींव में क्या दबा है, कलाकृतियां कैसी हैं, मिट्टी का रंग कैसा है। क्या इसमें कोई परिवर्तन हुआ है। सभी साक्ष्यों को सहेजने के बाद एएसआई रिपोर्ट तैयार करता है। इसमें समय के साथ हुए बदलावों का भी जिक्र किया जाता है। एएसआई के सर्वे पर संस्कृति मंत्रालय की नजर रहती है। इसके अलावा कोर्ट के आदेश पर किए जाने वाले सर्वे की निगरानी कोर्ट भी करता है। बता दें कि एएसआई सर्वे की इजाजत विवादित स्थल को छोड़कर बाकी परिसर के लिए दी गई है। यह सर्वे वजूखाने के अलावा सील इलाके में होगा। वाराणसी की कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की विरोध करने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। एएसआई 4 अगस्त को सर्वे की रिपोर्ट कोर्ट को सौंपेगा।

सुप्रीम कोर्ट में उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। यह जानकारी सोमवार को मिली जब छात्र कार्यकर्ता उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित हुई। गौरतलब है कि उमर खालिद को 2020 के दिल्ली दंगों के पीछे कथित बड़ी साजिश के मामले में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और बेला एम त्रिवेदी की पीठ से याचिकाकर्ता के वकील ने सुनवाई पर एक सप्ताह की अवधि के लिए स्थगन की मांग की थी। इसके मद्देनजर सुनवाई को स्थगित कर दिया गया। शीर्ष अदालत की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह मामला 9 अगस्त को सूचीबद्ध होने की संभावना है। उमर खालिद की याचिका के जवाब में दिल्ली पुलिस ने रविवार को जवाबी हलफनामा दायर किया था, जो अभी तक आधिकारिक तौर पर रिकॉर्ड पर प्राप्त नहीं हुआ है। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने 12 जुलाई को मामले को 24 जुलाई के लिए पोस्ट कर दिया था। हालांकि दिल्ली पुलिस के वकील ने हजारों पन्नों की चार्जशीट का हवाला देते हुए जवाब दाखिल करने का और समय मांगा था। वहीं उमर खालिद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी थी कि वह आदमी दो साल और ग्यारह महीने से हिरासत में है। कौन सा शपथ पत्र दायर करने के लिए है? यह एक जमानत याचिका है। उमर खालिद ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा जमानत से इनकार के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। हाई कोर्ट के जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल और रजनीश भटनागर की पीठ ने पिछले साल 18 अक्टूबर को नियमित जमानत की मांग करने वाली उमर खालिद की अपील खारिज कर दी थी। बता दें कि उमर खालिद ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसने उन्हें यूएपीए मामले में जमानत देने से इनकार किया था। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के दौरान अमरावती में दिए गए कथित विवादित भाषण, दिल्ली दंगों के मामले में उमर खालिद के खिलाफ आरोपों का आधार थे। दिल्ली पुलिस के अनुसार दंगों से जुड़े कथित बड़े षड्यंत्र मामले में शामिल लगभग एक दर्जन लोगों में जेएनयू स्कॉलर और कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम शामिल हैं।

लैंडस्लाइड के चलते बदरीनाथ राजमार्ग बंद, कमेड़ा में सड़क बही

देहरादून। उत्तराखंड में इस समय भयंकर बारिश हो रही है। यहां चमोली जिले में गौचर के पास कमेड़ा में सोमवार को भारी बारिश के बाद हुए जबरदस्त भूस्खलन से ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग का लगभग 100 मीटर हिस्सा बह गया और उस पर यातायात दो-तीन दिन के लिए अवरुद्ध हो गया। यह मार्ग बदरीनाथ धाम को जाने वाले तीर्थयात्रियों और वाहनों के लिए दो से तीन दिन तक बाधित रहेगा। इस संबंध में तीर्थयात्रियों सहित सभी आमजन को असुविधा हो रही है। हालांकि सूत्रों ने बताया कि मार्ग को जल्द से जल्द बहाल करने के वास्ते संबंधित विभाग एवं एजेंसियां युद्धस्तर पर काम कर रही हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह भारी बारिश के कारण गौचर भट्टनगर में भी एक पुश्ता टूट गया, जिससे सड़क किनारे खड़े पांच वाहन मलबे में दब गए। गौश्रतलब है कि तीन दिन पहले भूस्खलन के कारण सड़क धंसने से गैरसैंण के पास कालीमाठी में अवरुद्ध हुआ कर्णप्रयाग-नैनीताल राष्ट्रीय राजमार्ग भी अभी तक नहीं खुल पाया है। इसके अलावा, नंदप्रयाग और छिनका में भी बोल्डर गिरने के कारण यातायात अवरुद्ध है। बारिश के कारण भूधंसाव ग्रस्त जोशीमठ के सिंहधार वार्ड में दैनिक विहार त्रिदंडी आश्रम की दीवार ढह गई। आश्रम के संतोष बाबा ने बताया कि बारिश के चलते एक दीवार ढह गई। गौरतलब है कि यह आश्रम जेपी कालोनी के ठीक ऊपर है, जहां इस साल की शुरुआत में अचानक जमीन से पानी निकला था और मकान धंस गए थे। उस दौरान आश्रम में काफी नुकसान हुआ था।

कोलकाता पुलिस ने बड़े अवैध हथियार रैकेट का भंडाफोड़ किया

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने एक बड़े अवैध हथियार रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने बताया कि अवैध हथियार डीलर और उसके दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए हथियारबंद डीलर की पहचान अख्तर हुसैन के रूप में की गई है। इसके अलावा पुलिस ने इम्तियाज मुहम्मद और अजहर अली को भी गिरफ्त में लिया है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तारी की सही तारीख और समय पर चुप्पी साधे हुए है। हालांकि यह पता चला कि आरोपियों को दक्षिण 24 परगना जिले के एक क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। जांच अधिकारियों को संदेह है कि आरोपी एक स्थानीय सशस्त्र विनिर्माण इकाई से जुड़े हुए हैं, जहां हथियारों के हिस्सों को इकट्ठा किया जाता है और फिर एक विशेष नेटवर्क के माध्यम से बिक्री के लिए बाजार में जारी किया जाता था। फिलहाल पुलिस इस संबंध में अधिक जानकारी जुटाने के लिए आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस को संदेह है कि गिरफ्तार किए गए तीन व्यक्ति वास्तव में बिहार के मुंगेर में स्थित एक बड़े अवैध हथियार रैकेट का हिस्सा हैं, जिसे पारंपरिक रूप से अवैध हथियार निर्माण और व्यापार केंद्र के रूप में जाना जाता है। पुलिस सूत्र ने कहा, हमारे अधिकारियों के पास उपलब्ध प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हुसैन पश्चिम बंगाल और झारखंड दोनों से काम करता था। उनका काम अंतिम खरीदारों और निर्माताओं के बीच एक कड़ी के रूप में काम करना, सौदों को अंतिम रूप देना और फिर खेप की आपूर्ति की व्यवस्था करना था। पुलिस को यह भी संदेह है कि आरोपियों ने हाल ही में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में बदमाशों को हथियार मुहैया कराने में अहम भूमिका निभाई है।

मठ और मंदिर चलाएंगे, अब मध्य प्रदेश की गौशाला

भोपाल। मध्य प्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड के प्रबंध संचालक ने सभी जिलों के कलेक्टरों को पत्र लिखा है।इस पत्र के साथ एक प्रारूप भेजा गया है। जिसमें जानकारी मांगी गई है। जिले में जो भी मठ मंदिर और धार्मिक संस्थाएं हैं। उनके नाम,उनके व्यवस्थापक का नाम,कमेटी के सदस्यों का नाम,शासकीय-अशासकीय संचालन, संस्था के पास उपलब्ध जमीन अथवा भवन, संस्था की वार्षिक अनुमानित आय का ब्यौरा मांगा है। इसके साथ ही उस संस्था के 10 किलोमीटर की परिधि में कौन सी गौशाला संचालित हो रही है।इसकी भी जानकारी मांगी गई है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश सरकार गौशाला के संचालन में मंदिरों धार्मिक संस्थाओं को मिलने वाले दान से, गौशालाओं के संचालन की जिम्मेदारी मठ और मंदिरों को सौंपने की तैयारी कर रही है। मध्यप्रदेश में जो गौशाला संचालित हो रही हैं।उन्हें सरकार की ओर से पर्याप्त आर्थिक सहायता नहीं मिल पा रही है। जिसके कारण अब गौशालाओं के संचालन में धार्मिक संस्थाओं की भागीदारी को भी सरकार सुनिश्चित करने जा रही है।

सड़क हादसे में घायल नौजवान की नवजोत सिद्धू ने बचाई जान

खन्ना। पूर्व कांग्रेस प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू ने एक सड़क हादसे में घायल को अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवजोत सिद्धू लुधियाना में कांग्रेस के सत्याग्रह के बाद पटियाला लौट रहे थे। खन्ना में गांव कौड़ी में पूर्व राज्यसभा सदस्य शमशेर सिंह दूलो की फैक्ट्री में उनसे मिलने आ रहे थे कि सड़क पर बाइक सवार युवक खून से लथपथ देखा। उन्होंने तुरंत

उसकी मदद की। घायल की पहचान नाभा के गांव रोहटे के रहने वाले राजविंदर सिंह (25) के रूप में हुई जिसे कोई वाहन टक्कर मार गया था। सिद्धू के सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत ही युवक को अस्पताल भर्ती कराया। इस दौरान दूलो भी उसका हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे। वहीं दूसरी ओर सिद्धू के सुरक्षा कर्मी ए.एस.आई. गुरमेज सिंह ने बताया कि नौजवान सड़क पर तड़प रहा था। वह बाइक के नीचे फंसा था। उसके पास 10-12 लोग खड़े थे। मदद करने वाला कोई नहीं था। तभी नवजोत सिद्धू ने गाड़ियां रोककर जिप्सी में घायल को अस्पताल भेजा। इस मामले में सरकारी अस्पताल के डा. राघव ने कहा कि युवक की हालत खतरे से बाहर है। उसकी जांघ में फैक्चर है। शरीर पर कुछ चोटें भी आई हैं। समय रहते सिद्धू के प्रयास से युवक यहां पहुंच गया जिसका इलाज करके स्टेबल किया गया है। परिजनों के कहने पर युवक को बड़े अस्पताल रैफर किया गया।

मणिपुर हिंसा पर सदन में बयान दे पीएम मोदी, इस चर्चा कराई जाएं : खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर मामले को लेकर राज्यसभा और लोकसभा में सत्ता व विपक्ष के बीच लगातार टकराव बना हुआ है। इससे मानसून सत्र में अभी तक संसद की कार्रवाई एक भी दिन सुचारू रूप से नहीं चल सकी है। विपक्ष का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर हिंसा को लेकर सदन में अपना बयान रखें, उस बयान पर हम सभी लोग चर्चा करने को तैयार हैं। चर्चा के बाद इस मुद्दे पर वोटिंग भी कराएं। कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मलिकार्जुन खरगे ने कही। संसद में गांधी प्रतिमा के समीप अन्य विपक्षी सांसदों के साथ धरना दे रहे खरगे ने कहा कि जब संसद या विधानसभा का सत्र चल रहा होता है, तब ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री सदन के बाहर बयान नहीं दिया करते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब बयान संसद के बाहर दिया गया। हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री संसद के भीतर मणिपुर हिंसा की पूरी जानकारी व बयान दें।

दरअसल, सरकार व राज्यसभा के सभापति शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन के लिए राजी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने इस पर नाराजगी जाहिर कर कहा कि वह कभी आधा घंटा कभी शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन की बात कहते हैं। लेकिन हम चाहते हैं कि नियम संख्या 267 के अंतर्गत सदन में चर्चा कराई जाए। इसके अंतर्गत चर्चा 4 घंटे की भी हो सकती है, उससे अधिक समय भी लिया जा सकता है या पूरा एक दिन भी इस चर्चा को दिया जा सकता है।

कांग्रेस का कहना है कि मणिपुर में हुई हिंसा पर चर्चा के लिए विपक्ष की यह मांग स्वीकार होनी चाहिए। इसी टकराव के कारण राज्यसभा में सोमवार को भी मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर जबरदस्त हंगामा हुआ। इस दौरान आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को शेष बचे पूरे मानसून सत्र के लिए राज्यसभा से सस्पेंड किया गया है।

विपक्ष का कहना है कि प्रश्नकाल समेत राज्यसभा की सारी कार्रवाई को रद्द करते हुए सर्वप्रथम मणिपुर हिंसा पर विस्तार से चर्चा की जाए।

नीतीश का मजाक उड़ाने वाले पोस्टर लगाने के मामले में तीन गिरफ्तार

बेंगलुरु। विपक्षी दलों की बैठक के लिए 18 जुलाई को बेंगलुरु की यात्रा के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का मजाक उड़ाने वाले पोस्टर लगाने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। श्रीराम, मोहन और नंदकुमार के रूप में पहचाने गए आरोपियों को बेंगलुरु की सड़कों पर नीतीश पर अपमानजनक सामग्री वाले पोस्टर चिपकाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मोहन और श्रीराम भाजपा कार्यकर्ता हैं। आरोपियों द्वारा नीतीश पर निशाना साधकर उन्हें अस्थिर प्रधानमंत्री पद का दावेदार बताते हुए पोस्टर शहर में लगाए गए थे। जबकि श्रीराम ने पोस्टर प्रकाशित करने के लिए पैसे का भुगतान किया, नंदकुमार की प्रिंटिंग प्रेस का उपयोग सामग्री को मुद्रित करने और पोस्ट करने के लिए हुआ था। फिर पोस्टरों को मोहन के स्वामित्व वाले एक मिनी-टेम्पो में ले जाया गया, जिसने उन्हें शहर भर में प्रदर्शित करने में सहायता की। तीनों बंदी शेषाद्रिपुरम के रहने वाले हैं। 18 जुलाई को विपक्षी दलों की बैठक से पहले बेंगलुरु के एक प्रमुख ट्रैफिक जंक्शन पर नीतीश को उनके राज्य में सुल्तानगंज पुल ढहने के लिए दोषी ठहराने वाले पोस्टर सामने आए। पोस्टरों में से एक में लिखा है, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्वागत है। सुल्तानगंज पुल, बिहार को नीतीश कुमार का उपहार है जो टूट रहा है। जबकि बिहार में पुल उनके शासनकाल का सामना नहीं कर सकते हैं, विपक्षी पार्टी अभियान का नेतृत्व करने के लिए उन पर भरोसा करें। एक अन्य पोस्टर में लिखा गया है, कि अस्थिर प्रधानमंत्री पद के दावेदार।

केंद्रीय मंत्री शाह का विपक्ष पर हमला, मैं चर्चा को तैयार ...मणिपुर की सच्चाई देश के सामने आनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर पर चर्चा की मांग को लेकर लोक सभा और राज्यसभा दोनों सदनों में सोमवार को जबरदस्त हंगागा और नारेबाजी हुई। शोर-शराबे के बीच लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला प्रश्नकाल चलाने का प्रयास करते रहे। लेकिन हंगामा और नारेबाजी बढ़ने पर लोकसभा की कार्यवाही 25 जुलाई सुबह 11 बजे तक के लिए स्थिगित की गई।

मणिपुर मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा मैं इस पर सदन में चर्चा के लिए तैयार हूं। मैं विपक्ष से अनुरोध करता हूं, मुद्दे पर चर्चा होने दें। यह महत्वपूर्ण है, कि देश को इस संवेदनशील मामले पर सच्चाई पता चले।

राज्यसभा में भी मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर जबरदस्त हंगामा हुआ। इस दौरान आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को पूरे मानसून सत्र के लिए राज्यसभा से सस्पेंड किया गया। दरअसल राज्यसभा में विपक्ष के अधिकांश सांसद मणिपुर हिंसा पर विस्तार से चर्चा कराने की मांग कर रहे थे। विपक्ष का कहना है कि प्रश्नकाल सहित राज्यसभा की सारी कार्रवाई को रद्द करते हुए सर्वप्रथम मणिपुर हिंसा पर विस्तार से चर्चा की जाए।

हालांकि भारी हंगामे के बीच सभापति ने राज्यसभा में प्रश्नकाल शुरू कराया। प्रश्नकाल के अभी चार उत्तर ही दिए जा सके थे कि मणिपुर हिंसा पर चर्चा की मांग को लेकर सिंह नारेबाजी करते हुए सभापति के आसन के समीप पहुंचे। सभापति द्वारा चेतावनी देने के बावजूद सिंह अपने स्थान पर नहीं गए और मणिपुर हिंसा पर चर्चा कराए जाने की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे।

इस बीच नेता सदन पीयूष गोयल ने सभापति से निवेदन किया कि संजय सिंह को उनके इस व्यवहार के

लिए सदन से निलंबित कर दिया जाए। गोयल ने इस संबंध में एक प्रस्ताव भी सभापति को दिया। राज्यसभा के सभापति ने इस प्रस्ताव पर सदन के सदस्यों की राय लेने के बाद संजय सिंह को शेष बचे मानसून सत्र के लिए सदन से निलंबित कर दिया।

सरपंच पति की दबंगाई, कपड़े उतरवाकर पिटाई करते हुए मुंह से जूता उठवाया

-दो साल पुराना वीडियो सामने आया तो पुलिस में की शिकायत, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

रीवा (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में एक और शर्मनाम हरकत सरपंच पति की सामने आई है। जहां एक व्यक्ति को अर्धनग्न करके उसकी पिटाई करते हुए मुंह से जूता उठवाया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार रीवा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक व्यक्ति को अर्धनग्र अवस्था में दिखाया गया है। पीड़ित व्यक्ति के हाथ उसकी पीठ के पीछे बंधे हुए हैं। साथ ही उसके चेहरे पर बार-बार मुक्का मारा जा रहा है। उसे मुंह से जूता उठाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो दो साल पुरानी है। पीड़ित के पास वीडियो अब पहुंचा है। इसके बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। हनुमना थाना प्रभारी चेतन मर्सकोले ने बताया कि आरोपी 50 वर्षीय जवाहिर सिंह हैं, जो एक सरकारी स्कूल में क्लर्क है और रीवा जिले के पिपराही गांव के सरपंच का पति है। शिकायत के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और उसके दो कथित साथियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने पीड़ित की पहचान उजागर नहीं की है। उसके बयान के अनुसार वह एक पिकअप ड्राइवर के रूप में काम करता है। आरोप है कि पीड़ित को आरोपी ने कर्ज दिया था, जिसे उसने चुकाया नहीं था। ग्रामीणों ने बताया कि पीड़ित ने एक प्लॉट खरीदा था, जिस पर आरोपी ने लंबे समय से कब्जा कर रखा था। जबकि गांव के लोगों को पीड़ित ने बताया था कि उसने जमीन खरीदी है। आरोपी सिंह ने जब यह बात सुनी तो उसे बकाया भुगतान करने के बहाने घर बुलाया लेकिन दरवाजा बंद कर दिया और उसकी पिटाई की, जबकि उसके साथियों ने वीडियो शूट किया। पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो में पीड़ित अपनी पतलून नीचे खींचे हुए और हाथ पीठ के पीछे बांधे हुए देखा गया है। हमलावर उसके चेहरे पर बेरहमी से मुक्का मारता है। साथ ही छड़ी से भी पीटता है। इसके बाद मुंह से जूता उठाने को मजबूर करता है। वहीं थाना प्रभारी मार्सकोले ने कहा कि पीड़ित शिकायत दर्ज कराने से पहले बहुत डरा हुआ था। यह वीडियो कुछ स्थानीय लोग भी शेयर कर रहे हैं। शनिवार को पीड़ित को यह वीडियो मिला तो उसे एहसास हुआ कि यह वीडियो आब वायरल हो जाएगा। तो वह पूरी तरह से शर्मिंदा होते हुए और शिकायत लेकर हमारे पास आया।

नीतिश ने मेरी राजनैतिक हत्या करने चाचा का सहारा लिया चिराग पासवान

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और चिराग पासवान के बीच कटु संबंध के बारे में सभी लोगों को पता है। लेकिन यह विवाद फिर चरम पर है। लोजपा-रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान एनडीए में शामिल होने के बाद एक राजनीतिक बयान देकर बिहार की राजनीति को गर्माहट दे दी है। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले इस एक बड़ा पॉलिटिकल गेम माना जा रहा है। दरअसल, चिराग ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर गंभीर आरोप लगाकर कह दिया कि वे मेरी राजनीतिक हत्या करना चाहते थे। इसका उदाहरण है जब नीतीश कुमार ने मेरी पार्टी को तोड़ दिया था और मुझे अकेले छोड़ दिया। तब चाचा पशुपति पारस मंत्री बन गए और अपने साथ सभी सांसदों को भी ले गए। नीतीश ने हमारे चाचा की पीठ पर हाथ रखकर मुझे अकेले करने की साजिश रच डाली थी। उनकी मंशा थी कि अकेले कर देंगे, तब चिराग की सियासत खत्म होगी। ऐसा सोचने वाले नीतीश कुमार के अलावा अन्य पार्टियां भी थी कि चिराग की राजनीति की ही हत्या कर दी जाए। चिराग पासवान ने कहा कि मेरी राजनीति को खत्म करने के लिए लोगों ने बहुत प्रयास किया, बड़ी-बड़ी पार्टियां पीछे लगी हैं, लेकिन चिराग पासवान की राजनीति खत्म नहीं हुई, बल्कि और आगे बढ़ गई। राजनीति में हर कोई मदद के बदले मदद की उम्मीद रखता है। साल 2019 लोकसभा चुनाव के समय एनडीए की सीट शेयरिंग चल रही थी, तब भाजपा लोजपा को सात सीट देने के पक्ष में नहीं थी, तब दिवंगत रामविलास पासवान जीवित थे। वहां अचानक एक दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के यहां गए और सीट शेयरिंग को ले कर बातें की। कहा जाता है कि तब रामविलास को नीतीश कुमार का सहारा मिला। नीतीश ने लोजपा के लिए सात सीटों की पैरवी भी की। तब राजनीतिक समझ यह थी कि लोजपा और जदयू की सीटें जितनी ज्यादा होगी, भाजपा पर दबाव बनाने में उतनी ही मदद मिलेगी। वर्ष 2020 विधान सभा चुनाव में लोजपा की चुनावी रणनीति ने नीतीश कुमार को काफी परेशान किया। दरअसल, तब लोजपा ने अकेले दम पर बिहार विधान सभा चुनाव लड़ने का मन बनाया। तब यह कहा जा रहा था कि यह सब भाजपा के इशारे पर हो रहा है। तब चिराग पासवान ने 134 विधान सभा क्षेत्र में अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए।

मेरे परिवार ने शायद मुझे बेच दिया हो...मेरी शादी जबरन हुई : सीमा हैदर

- मुझे जेल में डाल दो, पाकिस्तान नहीं जाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर अब अपने देश नहीं लौटना चाहतीं। सीमा ने वहां अपनी जान को खतरा बताया है। सीमा का कहना है कि वह सोशल मीडिया और मीडिया के जरिए पूरे पाकिस्तान में चर्चित हो गई हैं। उन्होंने अपनी तकलीफ बताकर पाकिस्तान में एक कथित कुख्यात प्रथा के बारे में बताया। सीमा ने कहा कि जिस इलाके में वह रहती हैं, वहां पैसे के लालच में लोग बेटियों को बूढ़े दूल्हों के हाथों बेच देते हैं। सीमा ने खुद के जासूस होने से भी इनकार किया है। सीमा ने कहा कि वह कोई जासूस नहीं हैं। पुलिस चाहे तब उनका पॉलीग्राफी टेस्ट करवा ले। उनके बारे में रॉ और सीबीआई से जांच करवा ले। उन्होंने कहा, अगर मैंने कुछ गलत किया है, तब मुझे जेल में डाल दो लेकिन मैं पाकिस्तान वापस नहीं जाना चाहती। उन्होंने कहा कि अब भारत के साथ पाकिस्तान में भी उनके बारे में सभी को पता है। अगर वह वापस जाती हैं, तब वहां उन्हें मार डाला जाएगा। सीमा हैदर ने कहा, पाकिस्तान में मैं जिस इलाके से ताल्लुक रखती हूं, वहां अजीब कल्चर है। लड़कियों को फोटो भी नहीं खिंचाने देते। मैं सोशल मीडिया और मीडिया की वजह से खबरों में आ गई हूं। पाकिस्तान से भागकर भारत आई हूं। हिंदू लड़के से शादी की है। उन्होंने कहा कि मैं पाकिस्तान में जहां रहती थी, उस इलाके में एक से डेढ़ लाख में बेटियों को बेच दिया जाता है और उनका निकाह किसी बूढ़े मर्द से कर दिया जाता है। सीमा ने कहा कि शायद मेरे परिवार वालों ने भी हैदर के हाथों मुझे बेचा हो। मुझे अच्छे से याद नहीं है लेकिन मेरी शादी जबरन हुई थी।

हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़ते ही यमुना फिर हुई विकराल, दिल्ली में बाढ़ के हालात

नई दिल्ली। (एजेंसी)। भारी बारिश के दौरान हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़ते ही यमुना ने एक बार फिर विकराल रूप धारण कर लिया है। जानकारी के अनुसार दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर एक बार फिर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। यमुना का जलस्तर सोमवार सुबह 7 बजे तक 206.56 मीटर पर आ गया। खतरे को देखते हुए दिल्ली सरकार एक बार फिर अलर्ट मोड में आ गई है। साथ ही निचले इलाकों और बाढ़ की चपेट में आ चुके क्षेत्र पर खास फोकस किए हुए है। सरकार द्वारा बाढ़ की स्थिति में किसी भी तरह से हालातों से निपटने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में लगातार हो रही भारी और मूसलधार बारिश से बैराज में पानी बढ़ गया। इसके बाद से हथिनीकुंड बैराज से फिर पानी छोड़ा जा रहा है। इस पानी के छोड़े जाने के बाद यमुना का जलस्तर रविवार शाम से बहुत तेजी के साथ बढ़ा है। दिल्ली सरकार के अधिकारियों का कहना है कि नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी से राष्ट्रीय राजधानी

दिल्ली के बाढ़ प्रभावित निचले इलाकों में राहत एवं पुनर्वास के काम पर असर पड़ सकता है।

हालांकि प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। क्योंकि यमुना के जलस्तर में कभी कमी तो बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। इसके चलते अभी हालात पूरी तरह से दुरूस्त नहीं है। यही वजह है कि निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराया हुआ है। पानी के स्तर के घटने के बाद से लोगों के राहत शिविरों से घरों की तरफ लौटने की कवायद भी शुरू हुई थी। लेकिन अब एक बार खतरा मंडाराता नजर आ रहा है। इसको लेकर प्रशासन पूरी तरह से एहतियात बरत रहा है। गौरतलब है कि गत शनिवार को राजस्व मंत्री आतिशी ने भी कहा था कि हथिनीकुंड बैराज से यमुना नदी में 2 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण बाढ़ के खतरे के मद्देनजर दिल्ली सरकार हाई अलर्ट पर है।

राजस्व मंत्री आतिशी ने आशंका जताई थी कि अगर जलस्तर 206.7 मीटर तक पहुंचता है, तो यमुना खादर के कुछ हिस्से जलमग्न हो सकते हैं। यमुना का जलस्तर पिछले कुछ दिनों से 205.33 मीटर के खतरे के निशान के आसपास है। 13 जुलाई को यह रिकॉर्ड 208.66 मीटर पर पहुंच गया था। लेकिन अब यमुना का जलस्तर सोमवार सुबह 7 बजे तक 206.56 मीटर पहुंच गया है। यमुना में बढ़ते जलस्तर को लेकर नॉर्दन रेलवे के दिल्ली डिविजन की ओर से दिल्ली और शाहदरा के बीच ट्रेनों की सेवा को निलंबित रखने का फैसला किया है।

अब दुश्मन सैनिकों तक नहीं पहुंच पाएगी भारतीय नौसेना की बातचीत

-इंडियन नेवी के फाइटर एयरक्राफ्ट के लिए सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो हुआ तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई बार दुश्मन सैनिक इंडिया के जांबाजों की बातचीत सुनकर चौकन्ने हो जाते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। क्योंकि इंडियन नेवी के फाइटर एयरक्राफ्ट के लिए सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो तैयार कर लिया है, जो ऐसा होने से रोक देगा। हालांकि यह अभी ट्रायल स्टेज में है। एक साल में इसका ट्रायल पूरा हो जाएगा जिसके बाद नेवी के सभी एयरक्राफ्ट में इसे लगाया जाएगा। इससे एयरक्राफ्ट से नेवी के शिप या सबमरीन के बीच होने वाला कम्युनिकेशन ज्यादा सुरक्षित तो होगा ही साथ ही डेटा शेयर भी तेजी से होगा। कम्युनिकेशन का यह सिस्टम ज्यादा आसान होगा, ज्यादा तेज होगा और ज्यादा सुरक्षित भी। रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाला संगठन वेपन एंड इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स इंजीनियरिंग स्टेब्लिशमेंट इस पर काम कर रहा है। नेवी की जरूरत पूरी करने के लिए वह सभी सिस्टम डिवेलप करता है जो इंडस्ट्री नहीं कर पाती या जो क्षमता अभी इंडस्ट्री में नहीं है। इस स्वायत्त संगठन को नेवी फंड करती है और इसमें नेवी अधिकारियों के साथ डीआरडीओ के साइंटिस्ट हैं।

जानकारी के अनुसार फिलहाल तीनों सशस्त्र सेनाओं यानी आर्मी, नेवी, एयरफोर्स में नेवी ही कम्युनिकेशन के लिए स्वदेशी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो का इस्तेमाल कर रही है। ऑपरेशनल जरूरतों के लिए नेवी के सभी एसेस्ट्स को एक दूसरे से कम्युनिकेट करना होता है। यह बातचीत वॉइस कॉल, वॉइस मैसेज, डेटा किसी के भी जरिए हो सकती है। जैसे एयरक्राफ्ट को शिप से और सबमरीन से या शिप को शिप से, शिप को सबमरीन से कम्युनिकेट करना होता है। सेटेलाइट कम्युनिकेशन के अलावा रेडियो से भी कम्युनिकेशन होता है। डब्ल्यूईएसईई के डिवेलप किए हुए सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो (एसडीआर) को नेवी के शिप में लगाया जा रहा है और पुराने सिस्टम को रिप्लेस किया जा रहा है। जिन शिप में एसडीआर- एनसी लगना था वह सभी लग चुके हैं। कुछ शिप में एसडीआर- टेक लगना है जिन्हें लगाने का काम चल रहा है।

हालांकि डब्ल्यूईएसईई सबमरीन के लिए भी एसडीआर-टेक के दूसरे वर्जन पर काम कर रहा है। नेवी के एयरक्राफ्ट के लिए

एसडीआर-एएफ डिवेलप किया गया है। जिसका ट्रायल चल रहा है। जानकारी के अनुसार अभी फाइटर एयरक्राफ्ट में एसडीआर नहीं है। पुराना सिस्टम मूलतौर पर वॉइस कम्युनिकेशन के लिए है। जब सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो मिल जाएगा तब डेटा भी तेजी से भेजा जा सकेगा। अमेरिका से लिए जा रहे एमएच60आर रोमियो हेलिकॉप्टर में भी स्वदेशी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो फिट किया जा रहा है। यह एडीआर-एफ का पुराना वर्जन है। इसे एयर बॉर्ड रेडियो कहते हैं। इसे अमेरिका को भेजा गया है और यह अमेरिका से रोमियो हेलिकॉप्टर में फिट होकर ही आएंगे। इंडियन नेवी के लिए अमेरिका से 24 रोमियो हेलिकॉप्टर लेने की डील की गई है।

बांग्लादेश में डेंगू का कहर...2,292 रोगियों को अस्पताल में भर्ती किया गया

ढाका । बांग्लादेश में डेंगू महामारी का रूप ले चुका है। बांग्लादेश में 24 घंटों में कुल 2,292 डेंगू रोगियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया यह 2023 में एक दिन में अस्पताल में भर्ती होने की सबसे अधिक संख्या थी। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार, इस अवधि के दौरान डेंगू से नौ और मौतें हुईं, जिससे संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 176 हो गई। नए मरीजों में से 1,064 को ढाका के अस्पतालों में और बाकी को बाहर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। पूरे बांग्लादेश में, राजधानी में 4,149 सहित 7,175 डेंगू मरीज अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं। इस वर्ष अब तक डीजीएचएस ने डेंगू के 32,977 मामले और 25,626 ठीक होने के मामले दर्ज किए हैं। देश में साल 2022 में डेंगू से 281 मौतें हुईं, जो 2019 में दर्ज की गई 179 मौतों के बाद रिकॉर्ड में सबसे अधिक है। इसके अलावा, पिछले साल 62,423 डेंगू के मामले और 61,971 रिकवरी दर्ज की गई। अखबार ने बताया कि जुलाई सबसे खराब महीना रहा है, क्योंकि पिछले 21 दिनों में 109 मौतें और 20,465 पॉजिटिव मामले दर्ज किए गए। डेंगू रोग-2023 के माह-वार आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी में छह मौतों के साथ 566 डेंगू मरीज मिले। फरवरी में शून्य मौतों के साथ 111 मामले, मार्च में दो मौतों के साथ 143 मामले, अप्रैल में दो मौतों के साथ 50 मामले, मई में दो मौतों के साथ 1036 मामले और जून में 34 मौतों के साथ 5,956 मामले सामने आए। डीजीएचएस डेटा के अनुसार, तुलनात्मक रूप से पिछले साल डेंगू पॉजिटिव मामलों और मौत के आंकड़ों के मामले में कम गंभीर था। इस दौरान 268 मरीजों की मौत हुई थी और 62,382 मामले दर्ज किए गए थे।

चीन में स्कूल में बने जिम की छत गिरी, 10 लोगों की मौत

बीजिंग । चीन के पूर्वोत्तर शहर क्यूकीहार में एक मीडिल स्कूल में बने जिम की अचानक छत गिरने से 10 लोगों की मौत होने की सूचना है। जिम की छत के गिरने से मलबे में दबे 14 लोगों को निकाला भी गया है। बताया जाता है कि अभी एक शख्स मलबे में दबा हुआ है। उस निकालने का काम किया जा रहा है। हादसे के वक्त जिम में कुल 19 लोग मौजूद थे, जिसमें 4 लोग भागने में सफल रहे। यह घटना हेइलोंगजियांग प्रांत के क्यूकीहार में रविवार दोपहर करीब 3 बजे की घटित हुई। स्कूल नंबर 34 में यह जिम बना हुआ था जोकि अचानक ढह गया। मलबे में एक दर्जन से अधिक लोग फंस गए थे। इसके बाद राहत व बचाव अभियान चलाया गया जिसके बाद सोमवार सुबह तक 14 लोगों को मलबे से बाहर निकाल लिया गया है जिसमें 4 लोगों को मृत हालत में निकाला गया था। वहीं, 6 गंभीर रूप से घायल थे। इन घायलों की इलाज के दौरान मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि छत पर मजदूरों ने पर्लाइट (ज्वालामुखीय कांच का एक रूप) रखा था। भारी बारिश के कारण पर्लाइट ने अधिक पानी सोख लिया। इससे पेर्लाइट आकार में फैल गया और अधिक भारी हो गया। इसके चलते छत ढह गई जबकि पर्लाइट से छत बनाना चीन में अवैध है। अधिकारियों के मुताबिक इस मामले में आगे की जांच की जा रही है और बचाव प्रयास अभी भी जारी हैं। बताया जाता है कि? रेस?क?यू ऑपरेशन में करीब 160 अग्निशमन कर्मियों की टीम तैनात है।

कनाडा में भारतीय छात्र की हत्या, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

टोरंटो । कनाडा में फूड डिलीवरी पार्टनर के रूप में काम करने वाले एक 24 साल के भारतीय छात्र पर कार चोरों ने जानलेवा हमला करके उसकी हत्या कर दी। खबरों के मुताबिक गुरविंदर नाथ 9 जुलाई को रात करीब 2 बजे पिज्जा डिलीवरी कर रहे थे, तभी अज्ञात संदिग्धों ने उन पर हमला कर उनकी कार को लूटने की कोशिश की। पुलिस ने कहा कि 'मामले की जांच कर रहे अफसरों का मानना है कि इसमें कई संदिग्ध शामिल हैं और खाने का ऑर्डर ड्राइवर को इस इलाके में आने के लिए लुभाने के साधन के रूप में दिया गया था। पुलि ने हमले से पहले दिए गए पिज्जा ऑर्डर की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग हासिल की है। पुलिस ने बताया कि गुरविंदर के पहुंचने के बाद उन पर 'हिंसक हमला कर एक संदिग्ध ने उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। संदिग्धों ने गुरविंदर की कार को लूट लिया और वारदात को अंजाम देकर मौके से भाग गए। नाथ को ट्रॉमा सेंटर ले जाने से पहले कई लोग उनकी मदद के लिए आए और सहायता की गुहार लगाई। जिसके बाद नाथ को अस्पताल ले जाया गया, जहां 14 जुलाई को नाथ को मृत घोषित कर दिया गया। टोरंटो में भारत के महावाणिज्यदूत सिद्धार्थ नाथ ने कहा कि गुरविंदर नाथ की मौत एक 'दिल को दहलाने वाला नुकसान' है। उन्होंने कहा कि महावाणिज्य दूतावास ने नाथ की मौत के बाद उनके परिवार से संपर्क किया है। पुलिस ने बताया कि नाथ की कार हमले के कुछ घंटों बाद लावारिस हालत में पाई गई थी। जो अपराध की जगह से पांच किलोमीटर से भी कम दूरी पर है। पुलिस ने कार की फोरेंसिक जांच की है और 'कई' सबूत बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि नाथ और हमलावरों के बीच किसी रंजिश की जानकारी नहीं है। गुरविंदर नाथ का पार्थिव शरीर टोरंटो में भारतीय महावाणिज्य दूतावास की मदद से 27 जुलाई को भारत लाया जाएगा। नाथ जुलाई 2021 में भारत से कनाडा पहुंचे थे और उनकी अपना खुद का व्यवसाय खोलने की योजना थी। शनिवार को मिसिसॉगा में नाथ के लिए कैंडल लाइट मार्च में 200 से अधिक लोग एकत्र हुए। इस मौके पर लोगों ने कहा कि नाथ अपने परिवार की उम्मीदें लेकर कनाडा आए थे और अब उनका परिवार अपने तीन बेटों में से एक को खोने के गम से जूझ रहा है। नाथ के एक रिश्तेदार के दोस्त बॉबी सिद्धू ने कहा कि 'आप एक सपने के साथ कनाडा आते हैं। लेकिन इन लोगों ने एक सपना चुरा लिया।

रोबोट ने कोल्ड वेल्डिंग तकनीकी से खुद अपना उपचार किया

न्यू मैक्सिको । अमेरिका के न्यू मैक्सिको में स्थित सेंडिया नेशनल लैब के शोधकर्ताओं ने एक प्रयोग किया। इस प्रयोग में धातु के टुकड़ों को 200 वार प्रति सेकंड पर खींचा गया। इससे रोबोट में जो दरारें स्पष्ट रूप से झलकने लगी। प्रयोग के 40 मिनट बाद वह दरारें अपने आप भरने लगी। शोधकर्ताओं ने इसे कोल्ड वेल्डिंग का नाम दिया है। नेचर पत्रिका में शोध प्रकाशित हुआ है।उसके अनुसार कोल्ड वेल्डिंग मैटलर्जी की प्रक्रिया है।जिसमें धातु की दो मुलायम और साफ सतह अपने आप पास आती हैं। अपने एटामिक बांड को फिर से आपस में जोड़ लेते हैं। इस शोध से धातु यदि किसी तरह से अलग हो जाती है।तो इस पद्धति से उन्हें आपस में जोड़ा भी जा सकता है।

युद्धविराम समझौते के तहत अमेरिकी सैनिक के मामले में उत्तर कोरिया से की बात

वाशिंगटन। अमेरिकी सैनिक को हिरासत में लेने के मामले में उत्तर कोरिया से बातचीत शुरु की है। यह बातचीत युद्धविराम समझौते के तहत स्थापित संचार माध्यम से प्रक्रिया शुरू की गई है। जनरल एंड्रयू हैरिसन ने कहा कि इस युद्धविराम समझौते के तहत 1950-53 के कोरियाई युद्ध के तहत लड़ाई रोक दी गई थी। उन्होंने कहा कि पीवीटी ट्राविस किंग की सलामती कमान की मुख्य चिंता है। वहीं संयुक्त राष्ट्र कमान के उप कमांडर ने कहा कि कमान ने हिरासत में लिए गए अमेरिकी सैनिक के मामले में उत्तर कोरिया के साथ बातचीत शुरू की है। सैनिक पिछले हफ्ते कोरियाई प्रायद्वीप की भारी सुरक्षा वाली सीमा को पार कर उत्तर कोरिया में प्रवेश कर गया था। जनरल एंड्रयू हैरिसन ने कहा कि युद्धविराम समझौते के तहत स्थापित संचार माध्यम से प्रक्रिया शुरू की गई है। इस युद्धविराम समझौते के तहत 1950-53 के कोरियाई युद्ध के तहत लड़ाई रोक दी गई थी। उन्होंने कहा कि पीवीटी ट्राविस किंग की सलामती कमान की मुख्य चिंता है।

कनाडा में भारी बारिश और बाढ़ के कारण सीएन रेल लाइन पर से बहता हुआ पानी।

इंडोनेशिया में फिर समुद्री हादसा, 15 लोगों के मारे जाने की सूचना

जकार्ता। इंडोनेशिया में फिर समुद्री हादसे की खबर सामने आ रही है। सुलावेसी द्वीप पर एक नौका के डूबने से 15 लोगों के मारे जाने की सूचना है। इतना ही नहीं 19 लोग अभी लापता भी हैं। रेस्क्यू टीम इन सभी की तलाश जोर शोर से कर रही है। हादसे के वक?त नौका में कुल 40 यात्री सवार थे। इसमें से 6 यात्री सही सलामत हैं। बीते अप्रैल माह में भी रियाउ प्रांत में नौका डूबने से 11 लोगों की मौत हो गई थी। राष्ट्रीय खोज और बचाव एजेंसी के मुताबिक इंडोनेशियाई अधिकारी ने बताया कि सोमवार को सुलावेसी द्वीप पर एक नौका डूबने से कम से कम 15 लोग मारे गए हैं। इसके बाद से 19 यात्री लापता भी हो गए हैं। जिनकी तलाश अलग-अलग रेस्क्यू टीमों की ओर से की जा रही है। इस नौका में कुल 40 यात्रियों के सवार होने की सूचना मिली है। इसके बाद बाद 6 यात्री भी हैं, जिनकों सकुशल बचा लिया गया है। हालांकि नौका के डूबने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। हादसा बीती आधी रात को हुआ था। खोज और बचाव एजेंसी के प्रमुख मुहम्मद अराफा ने कहा कि सभी पीड़ितों की पहचान कर ली गई है और उनके शवों को परिवार को सौंप दिया गया है, जबकि हादसे में बचे सभी 6 यात्रियों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। बता दें कि 17,000 से अधिक द्वीपों वाले इंडोनेशिया में नौकाएं परिवहन का एक प्रमुख और सामान्य साधन हैं और यहां इस तरह की दुर्घटनाएं आम हैं। इस तरह के हादसों के पीछे एक बड़ी वजह नौका परिवहन को लेकर बनाए गए सुरक्षा मानकों का लचर होना और लाइफ स्पोर्ट सिस्टम का कमजोर होना है। गौरतलब है कि अप्रैल माह में भी पश्चिमी इंडोनेशिया के रियाउ प्रांत में इंद्रगिरि हिलिर रीजेंसी के टेम्बिलाहन कस्बे में एक बंदरगाह से निकलने के करीब 3 घंटे बाद नौका डूब गई थी। नौका डूबने से 11 लोगों की मौत हो गई और 9 अन्य अब भी लापता हैं।

एलोन मस्क हमेशा के लिए उड़ा देंगे ट्विटर की नीली चिड़िया

Blue Bird की जगह लेगा X अक्षर

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। एलन मस्क अक्सर ट्विटर पर आश्चर्यजनक घोषणाएँ करते रहे हैं और इस सप्ताहांत भी कुछ अलग नहीं था। अरबपति ने घोषणा की कि ट्विटर की चिड़िया को एक्स अक्षर के साथ रिप्लेस कर दिया जाएगा। मस्क ने रविवार सुबह एक ट्वीट में लिखा, ÷और जल्द ही हम ट्विटर ब्रांड और धीरे-धीरे सभी पक्षियों को अलविदा कह देंगे।÷ मस्क ने बताया कि डोमेन ङ्ग.ष्शद्व उपयोगकर्ता को ट्विटर पर रीडायरेक्ट करता है। उन्होंने नए लोगो का भी संकेत दिया जो संभवतः ब्लू बर्ड की जगह लेगा।

ट्विटर का बदला जाएगा लोगो

सोशल मीडिया मंच 'ट्विटर' अब अपने 'लोगो' के लिए प्रसिद्ध नीली चिड़िया की जगह अंग्रेजी के 'एक्स' अक्षर का इस्तेमाल करेगा। उद्योगपति एलन मस्क ने रविवार को यह जानकारी दी। मस्क ने पिछले साल 44 अरब डॉलर में ट्विटर को खरीदा था। उसके बाद उन्होंने साइट में कई बदलाव किए हैं। मस्क ने रविवार देर रात ट्वीट करके बताया कि वह लोगो में बदलाव सोमवार को ही करना चाहते हैं।

नीली चिड़िया की ट्विटर से होगी विदाई, एक्स अक्षर को जोड़ा जाएगा

मस्क ने लिखा, ''और जल्द ही हम ट्विटर ब्रांड और सभी चिड़ियां को अलविदा कह देंगे।'' विपणन सलाहकार कंपनी 'मेटाफोर्स' के सह-संस्थापक एलन एडम्सन ने कहा कि 'एक्स' से जुड़े मस्क के पुराने इतिहास को देखते हुए यह बदलाव आश्चर्यजनक नहीं है।

मस्क की रॉकेट कंपनी से है एक्स का कनेक्शन

टेस्ला के अरबपति मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मस्क ने पिछले साल अक्टूबर में ट्वीट किया था, ''ट्विटर को खरीदना सभी सेवाएं मुहैया कराने वाली 'एक्स' ऐप की दिशा में उठाया गया कदम है।'' मस्क की रॉकेट कंपनी 'स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉर्प' को आमतौर पर 'स्पेसएक्स' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने 1999 में 'एक्स डॉट कॉम' नामक एक स्टार्टअप की स्थापना की थी, जो एक ऑनलाइन वित्तीय सेवा कंपनी है। इसे अब पेपाल के नाम से जाना जाता है।

एलन मस्क ने नए लोगो का संकेत दिया

एलन मस्क ने अपने प्रोफ़ाइल पर एक वीडियो पिन किया है जो संभवतः नया ट्विटर लोगो हो सकता है। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने उसी लोगो को टेक्स्ट के रूप में पोस्ट किया। एक अन्य ट्वीट में मस्क ने लिखा कि X.com अब उपयोगकर्ता को Twitter.com पर ले जाता है और अंतरिम X लोगो जल्द ही लाइव होगा।

मणिपुर के वीडियो कांड पर अमेरिका भी चिंतित, घटना को क्रूर और भयानक बताया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। मणिपुर के वीडियो कांड पर अमेरिका भी चिंतित नजर आया है। उसने इस घटना को क्रूर और भयानक बताया है। मिली जानकारी के अनुसार अमेरिका ने रविवार को कहा है कि वह भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने वाले वीडियो की रिपोर्ट पर खासा चिंतित है। यह वह मामला है जिसने देश को गुस्से में डाल दिया है। अमेरिका के विदेश विभाग की तरफ से इस घटना को क्रूर और भयानक बताया गया है। विदेश विभाग ने कहा है कि अमेरिका पीड़ितों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करता है। गौरतलब है कि मणिपुर में मई के महीने से ही हिंसा जारी है। जहां कुकी समुदाय को दिए जाने वाले आर्थिक लाभों में बदलावों की आशंका के बाद से ही मैतेई समुदाय के साथ हिंसा शुरू हो गई। जो वीडियो अब सामने आए हैं वो मई के बताए जा रहे हैं। जहां जातीय संघर्ष के दौरान 21 और 19 साल की पीड़ितों को निर्वस्त्र करके घुमाया गया था। जबकि एक महिला के साथ गैंगरेप और फिर हत?या की खबरें हैं। इस घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। पिछले हफ्ते ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

हालांकि पुलिस ने मामले में कुछ गिरफ्तारियां की हैं। अमेरिकी विदेश विभाग की तरफ से कहा गया है कि अमेरिका, मणिपुर हिंसा का शांतिपूर्ण और समावेशी समाधान चाहता है। साथ ही उसने अधिकारियों से सभी समूहों, घरों और पूजा स्थलों की सुरक्षा की मांग करते हुए मानवीय जरूरतों का जवाब देने का अनुरोध किया है। इधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले हफ्ते वीडियो सामने आने के बाद हमले की निंदा की है। उन्होंने इसे शर्मनाक बताते हुए कड़ी कार्रवाई का वादा किया। केंद्र सरकार की तरफ से 32 लाख की आबादी वाले मणिपुर में तैनाती के लिए हजारों अर्धसैनिक और सेना की टुकड़ियां भेजी। इसके बाद मामला कुछ समस्या शांत हो सका था। लेकिन इसके तुरंत बाद छिटपुट हिंसा और हत्याएं फिर से शुरू हो गईं और तब से राज्य में तनाव बना हुआ है।

रुस का यूक्रेन पर आरोप, आवसीय क्षेत्र में कर रहा ड्रोन से हमला

मॉस्को (एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन को सोमवार सुबह हुए ड्रोन हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराया, जिसमें मॉस्को की दो इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि दो ड्रोन क्रैश हुए जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। रुसी मीडिया ने बताया कि एक ड्रोन रक्षा मंत्रालय के करीब गिरा। यूक्रेनी अधिकारियों ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि उन्होंने कभी भी रूस के अंदर हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि ड्रोन हमलों ने स्थानीय समयानुसार लगभग 04÷00 बजे गैर-आवासीय इमारतों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि इमारतों को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। वहीं कुछ ड्रोन के टुकड़े रक्षा मंत्रालय की इमारतों से सिर्फ 2 किमी दूर पाए गए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा, मॉस्को शहर पर दो ड्रोन का इस्तेमाल करके कीव शासन की ओर से आतंकवादी हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, शहर के कोम्सोमोल्स्की एवेन्यू के किनारे ड्रोन का मलबा भी पाया गया। मॉस्को के परिवहन विभाग ने लिखा कि रास्तों पर ट्रैफिक रोक दिया गया है और तस्वीरों में आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर काम करती दिख रही हैं। लिकचेव एवेन्यू पर भी यातायात रोक दिया गया, जहां एक ऊंची ऑफिस बिल्डिंग क्षतिग्रस्त हो गई। मॉस्को ने यूक्रेन पर हाल के महीनों में उसके क्षेत्र पर कई ड्रोन हमलों का आरोप लगाया है। इस महीने की शुरुआत में, रूस ने कहा कि यूक्रेन ने मॉस्को पर ड्रोन हमला किया जिससे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। इसके पहले रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा, रूसी सेना ने यूक्रेन के शहर ओडेसा के पास ड्रोन नौकाओं के निर्माण और तैयारी करने वाली सुविधाओं पर रात भर मिसाइल हमला किया। बयान में कहा गया, पिछली रात, रूसी सशस्त्र बलों ने लंबी दूरी की मिसाइलों के साथ उन सुविधाओं पर एक समूह हमला किया, जहां बिना चालक वाली नावों का उपयोग करके रूस के खिलाफ हमले के तैयारी की जा रही थी।

चांद से आगे की सैर भी कराएगा चीन का चंद्रयान, होगा नासा से मुकाबला

बीजिंग (एजेंसी)। भारत द्वारा लांच किए गए चंद्रयान-3 मून मिशन के बाद अब चीन भी स्पेस में जाने की तैयारी कर रहा है। लेकिन चीन का मिशन चांद से आगे की सैर कराने वाला है। जानकार बताते हैं कि दुनिया में चल रही स्पेस रेस में चीन एक कदम भी पीछे नहीं रहना चाहता है। हाल ही में भारत ने अपना चंद्रयान-3 मून मिशन लॉन्च किया है। अब चीन 2027 के आसपास नए जमाने के चालक दल वाले अंतरिक्ष यान को लॉन्च करने की योजना बना रहा है। यह स्पेसक्राफ्ट अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा और उससे भी आगे ले जाने में सक्षम होगा। जानकारी के अनुसार चीन के ह्यूमन स्पेसफ्लाइट प्रोग्राम के डेप्युटी चीफ डिजाइनर यांग लिवेई ने कहा कि भविष्य में, एक नई पीढ़ी के स्पेसक्राफ्ट का इस्तेमाल हमारे स्पेस स्टेशन के निर्माण और गहरे अंतरिक्ष की खोज में किया जाएगा। यांग ने कहा कि पहली उड़ानें 2027 और 2028 के बीच होने का अनुमान है। चीन ने 2020 में स्पेसक्राफ्ट के बॉयलरप्लेट वेरिएंट का टेस्ट किया था। वापस आए कैप्सूल को प्रदर्शनी के लिए रखा गया है। नया अंतरिक्ष यान चीन की 2030 तक चंद्रमा पर एस्ट्रोनॉट्स को भेजने की योजना का हिस्सा है। स्पेसक्राफ्ट आंशिक रूप से दोबारा इस्तेमाल करने योग्य होगा और इसे लॉन्च करने के लिए एक नया रॉकेट विकसित किया जा रहा है जिसे हाल ही में लॉन्ग मार्च 10 नाम दिया गया।

गौरतलब है कि स्पेसक्राफ्ट का डीप-स्पेस वेरिएंट तीन अंतरिक्ष यात्रियों को लूनर ट्रांसफर ऑर्बिट में ले जाने में सक्षम होगा। वहीं एक लो अर्थ ऑर्बिट वेरिएंट चार से सात अंतरिक्ष यात्रियों को चीन के टिएनगॉग स्पेस स्टेशन तक ले जा सकेगा। चीन वर्तमान में अधिकतम तीन अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजने के लिए शेनझोउ स्पेसक्राफ्ट का इस्तेमाल करता है। यांग 2003 में शेनझोउ-5 मिशन पर सवार होकर ऑर्बिट में जाने वाले देश के पहले अंतरिक्ष यात्री बने थे। शेनझोउ-16 का दल इस समय तियांगोंग स्पेस स्टेशन पर सवार है। तीनों अंतरिक्ष यात्री लगभग छह महीने के लिए 30 मई को स्टेशन पर पहुंचे थे। चीन ने चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने की घोषणा ऐसे समय पर की है जब अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा आर्टेमिस मिशन के तहत 2025 में एक बार फिर चंद्रमा पर इंसानों को भेजने की तैयारी में जुटी हुई है।

अंजू के प्यार की पाकिस्तान में पड़ताल शुरू, नसरुल्ला के घर मीडिया का जमावड़ा

पेशावर (एजेंसी)। भारत में सीमा हैदर को लेकर जहां तफ्तीश चल रही है, वहीं पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने अब भारत की अंजू प्रसाद की लवस्टोरी की पड़ताल शुरू कर दी है। दरअसल 35 साल की अंजू जो भारत के उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं, उन्हें पाकिस्तान के नसरुल्ला से प्यार हो गया था। जानकारी के अनुसार अफगानिस्तान की सीमा पर स्थित खैबर पख्तूनख्वां की छोटी सी जगह अपर दीर के नसरुल्ला के साथ उनकी लवस्टोरी फेसबुक पर शुरू हुई थी। लेकिन अब इस फेसबुकिया लवस्टोरी की पाकिस्तान में जांच पड़ताल शुरू हो गई है। पाकिस्तान की मीडिया के मुताबिक हर बिंदु से मामले की जांच कर जाएगी। सूत्रों ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि यह मामला ठीक उसी समय सामने आया है जब भारत में सीमा हैदर से पूछताछ शुरू हुई है। अंजू की तरह सीमा भी अपने प्यार की खातिर भारत आई थी। हालांकि वह गैर-कानूनी तरीके से यहां पहुंची थी। रविवार को जैसे ही अंजू के बारे में खबरें आनी शुरू हुईं नसरुल्ला के घर के बाहर स्थानीय मीडिया का हुजूम इकट्ठा हो गया। इस दौरान अंजू ने पत्रकारों से कहा कि वह नसरुल्लाह से प्यार करती है और वह उसके बिना नहीं रह सकती।

मीडिया को अंजू ने बताया कि उनकी मुलाकात फेसबुक पर हुई थी और फिर उनकी दोस्ती गहरे प्यार में बदल गई। इसके बाद उन्होंने भारत छोड़कर पाकिस्तान जाने का फैसला किया। अंजू ने ट्रैवल वीजा के लिए अप्लाई किया। वीजा मिलने के बाद वह यहां पहुंच गई। यहां एक सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक अंजू और नसरुल्ला की दोस्ती की जांच की जा रही है। अंजू पहले से ही शादीशुदा है। अपर दीर के जिला पुलिस अधिकारी मुश्ताक खान ने पत्रकारों को बताया कि महिला उनके साथ है और वे मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिला के पास वैध वीजा है और वह एक महीने तक रह सकती है। महिला को दोषमुक्त होने के बाद मीडिया के सामने पेश किया जाएगा।

इस मामले में एक स्थानीय पत्रकार ने कहा कि भारतीय महिला मीडिया से बच रही थी। उन्होंने कहा कि जब नसरुल्ला के आने की खबर सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो कई पत्रकार उसके घर पहुंचे, लेकिन उन्हें बताया गया कि अंजू उनके घर पर मौजूद नहीं थी। वहीं नसरुल्लाह ने मीडिया को बताया कि अगले दो से तीन दिनों में वह और अंजू सगाई करने वाले हैं। फिर दस से बारह दिनों के बाद वह भारत वापस चली जाएगी और फिर शादी के लिए आएगी। यह मेरी और अंजू की निजी जिंदगी है। उनका कहना था कि वो दोनों मीडिया से दूर रहने की कोशिश कर रहे हैं। वह अपने देश वापस आकर अपना काम फिर से शुरू करना चाहती है।

जीतेगा भारत, विपक्षी गठबंधन को इंडिया नाम मिला

विनोद तकियावाला

लोकसभा की कुल 543 सीटों में से बाकी की 173 सीटों पर वह सहयोगी दलों के उम्मींदवार को समर्थन दे सकती है।अगर ऐसा हुआ तो यह पिछले पांच लोक सभाचुनाव (1999, 2004, 2009, 2014 और 2019)में पहली बार होगा जब कांग्रेस 400 से कम सीटों पर चुनाव लड़ेगी।जिसके कारण भारतीय राजनीति की पैनी नजर रखने राजनीतिज्ञ पंडितओं की चित्ता बढ गई है।उनका मानना कि विश्व के बड़े लोकतंत्र भारत में जिस तरह से क्षेत्रीय व छोटे राजनीतिक दलों का ना केवल उदय हुआ है,ब्लकि वे अवसर मिलते ही अपनी स्वार्थ सिद्धि व सता के लोलुपता वश राष्ट्रीय राजनीति दलो को अपनी उंगलीयों पर नचाते है। वह ना केवल भारत राजनीति व प्रजातंत्र के प्रवल समर्थक के लिए खतरे की घंटी है।खैर अभी इस संदर्भ में कुछ कहना जल्द बाजी होगा।

भारतीय राजनीति में घटने वाली घटनाओं की चर्चा आजकल भारत में ही नही वरन सम्पूर्ण विश्व राजनीति के मनीषीयों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।चाहे वह प्रधान मंत्री का विदेशी दौरा रहा हो या पं. बंगाल में पंचायत चुनावी हिंसा या मणिपुर की दिल दहला देने वाली हिसा की घटना हो इन घटनाओं में एक घटना विपक्षी एकता को लेकर विगत दिनों कनार्टक में कॉंग्रेस पार्टी की अगुवाई में26 राजनीतिक दलों की बैठक है! आप को बता दें कि यह विपक्षी दलों की दुसरी बैठक थी।इसके पूर्व विपक्षी पार्टी की गठवन्धन की पहली बैठक बिहार की ऐतिहासिक राजधानी पटना में बिहार के मुख्य मंत्री नीतीश कुमार व लालु यादव के नेतृत्व हुई थी। जिसमें18 राजनीतिक दलों नें शिरकत किया था। विपक्षी एकता को लेकर सतापक्ष-विपक्ष में आये दिनों काफी नोक झोक व टीका टिप्पणी देखने को मिलता रहता है।केंद्र में सतारूढ़ भाजपा के अगुवाई एन डी ए की सरकार इस बैठक के खतरे को भाँपते हुए आनन फानन मे अगले दिनों देश की राजधानी दिल्ली में 38 दलों के कुनबों के शाथ बैठक की। इस 38 दलो में एन डी ए पुराने साथी नही दिखे,नये कुनवे कई राजनीतिक दल ऐसे शामिल थे जिसकी मत प्रतिशत की बात तो दुर थी,इस पार्टी ना कोई विधायक या सांसद बनें हैं। इस बैठक की अहमियत इस बात से चलता है कि इस बैठक में प्रधान सेवक के द्वारा ना अपनी उपस्थिति दर्ज कराई ब्लकि अपनी चिर परिचितअंदाज में विरोधी दलों के नाते गठबन्धन को सता प्राप्ति के लिए मजबुरी का बन्धन बताया। अपने कुनबे में सभी राजनीति दलों के लिए दरवाजे खुले रहने का भरोसा दिलाया भले ही उन पर या उनकी पार्टी के किसी नेताओ कितने भ्षटाचार के कितने भीआरोप लगा हो।जिसकी झलक आये दिनों देखते को मिलते रहते है। एन डी ए की इस बैठक में देशवासियों को यह भरसक भरोसा दिलाने का प्रयास किया कि भाजपा व एन डी ए ही 5 राज्यों केआगामी विधान सभा व अगले वर्ष 24 में होने वाले लोक सभा चुनाव में विजय होगी।भारत का विकाश मोदी के नेतृत्व में सम्भव है।

जीतेगा भारत जिसकी चर्चा चहुँ दिशाओ हो रही है।आप के मन कई सवाल व शंका उत्पन्न हो रहे होगें ' भारत की ड़ंका आप किस देश - किस क्षेत्र में बजने वाली है। मै यहाँ पर स्पष्ट करना चाहुँगा कि आज मै भारत का अपने किसी विदेशी प्रतिदुन्दी टीम से खेल में या किसी अन्तराष्ट्रीय क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों पर नही है। बल्कि भारत में दो राजनीतिक दलों के मध्य आगामी वर्ष 2024 मे लोकसभा आम चुनाव में सता पक्ष विपक्ष के मध्य राजनीतिक क्रिकेट पिच पर उतरने के कमर कसने की है। इस संदर्भ में भाजपा के नेतृत्व में एन डी ए व कांग्रेस के कुशल नेतृत्व में आई एन डी आई ए में चुनावी की रणनीति बनाने पर गहन चित्तन मंथन शुरू कर दिया है। आज हम इस पर विस्तार से चर्चा करत है।

विपक्षी एकता के गठबंधन की बैठक में आईएनडीआई ए (INDIA)नाम काफी विचार विर्मश के बाद दिया गया है। 'जीतेगा भारत' को अपनी टैगलाइन बनाया है। इसी टैगलाइन का अलग-अलग भाषाओं में ट्रांसलेशन भी किया जाएगा। आप को बता दे कि इस बैठक में विपक्षी पार्टियों के गठबंधन का नाम पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के द्वारा INDIA रखने का प्रस्ताव रखा था। सुत्रों के अनुसार इस बैठक में शामिल हुए विदुथलाई चिरुथिगल काची (VCK)पार्टी के चीफ थोल तिरुमावलवन के हवाले से बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस नाम पर सहमत नहीं थे, क्योंकि INDIA में NDA के लेटर्स भी आते हैं। तो वही दुसरी ओर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि राहुल गांधी ने बैठक के दौरान बताया कि I.N.D.I.A नाम क्यों रखा जाना चाहिए।

विपक्षी दलों की इस मैराथन मींटिग के दौरान कई नेताओं ने महसूस किया था कि गठबंधन के नाम में भारत भी होना चाहिए। इसके बाद इसे टैगलाइन में शामिल किया गया। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि भाजपा इंडिया नाम पर बेवजह विवाद पैदा कर रही है। भाजपा ने खुद मेक इन इंडिया और शाइनिंग इंडिया जैसी स्कीम निकाली हैं।आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा है कि अब चुनाव NDA बनाम INDIA होंगे और इनमें INDIA की जीत होगी। विपक्ष की इस महत्वपूर्ण बैठक में ममता बनर्जी और सोनिया गांधी एक-दूसरे के बगल में बैठी थीं। जुलाई 2021 के बाद ये उनकी दूसरी मुलाकात थी। विपक्षी गठबन्धन का नाम रखने से पूर्व सभी विपक्षी नेताओं से इस पर सुझाव मांगे गए थे। बिहार के मुख्य मंत्री नीतीश कुमार शुरूआत में इस नाम से सहमत नहीं थे,लेकिन सभी की सहमति के बाद उन्होंने भी आई एन डी आई(INDIA) नाम को स्वीकार कर लिया।लेकिन मीटिंग के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में नीतीश शामिल नहीं हुए थे। इसके पीछे खराब मौसम की प्रिडिक्शन के चलते नीतीश जल्दी चले गए थे,क्योंकि उन्हें एक अन्य बैठक में शामिल होना था। हालांकि उनकी नाराजगी की खबरें भी आ रही हैं।इस पर कॉंग्रेस पार्टी के अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हम सरकार की नाकामियों को उजाकर करें। मैं खुश हुँ कि राहुल,ममता सब सहमत हैं। 2024 में साथ लड़ेंगे और अच्छे परिणाम लाएंगे। यहाँ पर आप के मन में प्रशन उठना स्वाभाविक है कि विपक्षी पार्टी के नाम का अर्थ क्या है। आप मै ज्यादा परेशान ना करते हुए बता दे कि विपक्षी दलों के गठबंधन का नाम I.N.D.I.A की फुल फॉर्म इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस है। जिसकी घोषणा कांग्रेसअध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि आपस में समन्वय स्थापित करने के लिए 11सदस्यों की एक कमेटी और दिल्ली में एक कार्यालय जल्द बनाया जाएगा। जिसकी घोषणा मुंबई में होने वाली हमारी अगली बैठक में होगी। खड़गे ने कहा कि भाजपा ने अपने स्वार्थ के लिए लोकतंत्र की सभी एजेंसियों ईडी,सी बी आई आदि को नष्ट कर दिया है। हमारे बीच राजनीतिक भेद हैं,लेकिन हम देश को बचाने के लिए एक साथ आए हैं। इससे पहले हम पटना में मिले थे,जहाँ16 पार्टियां मौजूद थीं।आज की बैठक में 26 पार्टियों ने हिस्सा लिया।इसमें अखिलेश यादव के साथ उनके चाचा शिवपाल यादव,आरजें डी सुप्रीमो लालू यादव के साथ डी राजा, सीताराम येचुरी,राहुल गाँधी, सोनिया गाँधी और ममता बनर्जी नें अपनी भुमिका निभाई। 8नए दलों को मिलाकर 26 पार्टियों के नेता आए। सर्वविदित रहे कि इस बार विपक्षी कुनबे को और मजबूत करने के लिए 8 और दलों को न्योता भेजा गया था। इनमें मरूमलारची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम एम डी एम के ,कोंगु देसा मक्कल काची के एम डी के, विदुथलाई चिरुथिगल काची (VCK),रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी(RSP),ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक,इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग,केरल कांग्रेस(जोसेफ)और केरल कांग्रेस(मणि)ने हामी भरी। इन नई पार्टियों में से के डी एम के और एम डी एम के 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा के साथ थीं। दबी जुबान से चर्चा हो रही है कि देश की सता पर इतने समय पर राज्य करने वाली कांग्रेस पार्टी के भविष्य क्या होगा।इस पर सुत्रो के हवाले से कहा जा रहा है कि कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव में 370 सीटों पर ही चुनाव लड़ेगी!बाकी सीटों पर सहयोगी दलों को समर्थन दे सकती है। लोकसभा की कुल 543 सीटों में से बाकी की 173 सीटों पर वह सहयोगी दलों के उम्मींदवार को समर्थन दे सकती है।अगर ऐसा हुआ तो यह पिछले पांच लोक सभाचुनाव (1999, 2004, 2009, 2014 और 2019)में पहली बार होगा जब कांग्रेस 400 से कम सीटों पर चुनाव लड़ेगी।जिसके कारण भारतीय राजनीति की पैनी नजर रखने राजनीतिज्ञ पंडितओं की चित्ता बढ गई है।उनका मानना कि विश्व के बड़े लोकतंत्र भारत में जिस तरह से क्षेत्रीय व छोटे राजनीतिक दलों का ना केवल उदय हुआ है,ब्लकि वे अवसर मिलते ही अपनी स्वार्थ सिद्धि व सता के लोलुपता वश राष्ट्रीय राजनीति दलो को अपनी उंगलीयों पर नचाते है। वह ना केवल भारत राजनीति व प्रजातंत्र के प्रवल समर्थक के लिए खतरे की घंटी है।खैर अभी इस संदर्भ में कुछ कहना जल्द बाजी होगा।

संपादकीय

त्वरित फैसले जरूरी

यह हमारे नीति-नियंताओं के लिये बेहद गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए कि देश की विभिन्न अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या पांच करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है। केंद्र सरकार द्वारा गुरुवार को राज्यसभा में बताया गया कि शीर्ष अदालत में सत्तर हजार, उच्च न्यायालयों में साठ लाख से अधिक तथा जिला और अधीनस्थ अदालतों में 4.4 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। निस्संदेह, लंबित मामलों में वृद्धि के अनेक कारण हैं। जिनमें न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों की अपर्याप्त संख्या, मामलों के निपटान के लिये निर्धारित समय सीमा का अभाव, बार-बार स्थगन और सुनवाई मामलों की निगरानी व ट्रैक करने के लिये प्रभावी व्यवस्था की कमी प्रमुख हैं। इसके बावजूद इन मुकदमों के लंबित होने के मुख्य कारण को भी तलाशना जरूरी है ताकि न्याय की राह सुगम हो। विगत में पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना ने देश की अदालतों में मुकदमों की लंबी फेहरिस्त के लिये विधायी कर्मियों के साथ-साथ कार्यपालिका की निष्क्रियता को भी दोषी ठहराया था। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने देश की विभिन्न अदालतों में पचास फीसदी से अधिक लंबित मुकदमों के लिये राज्य मशीनरी की चूक या लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया था। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार की दलील है कि अदालतों में लंबित मामलों का निस्तारण न्यायपालिका का कार्यक्षेत्र है। बहरहाल, तार्किक बात तो यह है कि सभी पक्षों को मिलकर मुकदमों का भारी-भरकम बोझ दूर करने के लिये दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देना चाहिए। निस्संदेह, सरकारों के स्तर पर भी नियुक्तियों को लेकर की जाने वाली देरी को भी बड़ी बाधा के तौर पर देखा जाता रहा है। इसमें दो राय नहीं कि न्यायाधीशों की रिक्तियों को भरने में होने वाली देरी से न्याय की राह में बाधा उत्पन्न होती है। यह भी हकीकत है कि उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति कार्यपालिका और न्यायपालिका के सहयोग से चलने वाली प्रक्रिया है। भारतीय लोकतंत्र के इन दोनों महत्वपूर्ण घटकों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों और सेवारत न्यायाधीशों के अंतर को अविलंब दूर किया जाये। साथ ही अनुशंसित नामों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया से जुड़े मतभेदों का समय रहते निराकरण किया जाये। वहीं दूसरी ओर जांच एजेंसियों की कार्यशैली को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। जांच एजेंसियों और अभियोजन पक्ष की ओर से शिथिलता और अक्षमता के सवाल पर ध्यान देने की जरूरत है। वहीं एक पहल विधायिका के स्तर पर भी अपेक्षित है कि ऐसे पुराने कानूनों को केंद्र व राज्य स्तर पर खत्म करने की पहल की जाये जो छोटे मुकदमों को बढ़ावा देने में भूमिका निभाते हैं।

चिंतन-मनन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली। उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बबार्दी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

मठ मंदिरों के दान से चलेंगी अब गौशालायें

सनत जैन

मध्य प्रदेश सरकार,गौशालाओं के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध नहीं करा पा रही है। कई गौशालाओं को तीन-तीन महीने तक अनुदान नहीं मिलता है। कई गौशालाओं को 3 साल में एक बार, कई गौशालाओं को साल में 1 बार ही आर्थिक सहायता दी जा रही हैं। जिसके कारण मध्यप्रदेश के गौशालाओं की आर्थिक स्थिति बड़ी खराब है। गायों को ना तो पर्याप्त चारा मिल पाता है। नाही बीमार होने पर उनका कोई उपचार किया जा सकता है। जिसके कारण समय-समय पर बड़ी मात्रा में गायों के मरने की भी सूचना प्राप्त होती है। जुलाई माह में मंदिरों को लेकर दो बड़े संवाद हो रहे हैं। दोनों में सरकार की नजर मंदिर मठों मैं होने वाली आय पर लगी हुई है। बनारस में सभी हिंदू मंदिरों के व्यवस्थापकों को बुलाया गया है। इस कार्यक्रम का नेतृत्व संघ प्रमुख मोहन भागवत कर रहे हैं। वहीं मध्य प्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड के प्रबंध संचालक ने मध्य प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर को पत्र लिखकर प्रारूप में जानकारी मांगी है। कलेक्टरों से जो जानकारी मांगी गई है। उसमें संबंधित मठ और मंदिर की संस्था का नाम, व्यवस्थापक का नाम, कौन संचालन कर रहा है। ट्रस्ट और समिति सदस्यों की जानकारी, संस्था के पास उपलब्ध जमीन,अथवा भवन, मठ और मंदिर की वार्षिक आय का ब्यौरा कलेक्टर के माध्यम से माँगा गया है।

प्राप्त सूचना के अनुसार मुख्यमंत्री गौ-सेवा योजना से प्रदेश भर में गौशालाओं का संचालन किया जायगा। प्रत्येक गौशाला को प्रति गोवंश के अनुसार तय राशि दिए जाने की व्यवस्था वर्तमान में है। गौशालाओं को उनकी गायों की क्षमता के अनुसार प्रतिमाह राशि नहीं दी जा रही है। जिससे आर्थिक संकट के कारण गौशालाओं की स्थिति बहुत खराब है। यह अकेले मध्यप्रदेश की स्थिति नहीं है। लगभग सभी राज्यों में गौशालाओं को लेकर यही स्थिति देखने को मिलती है। गौशालाओं को अब मंदिर और मठों से जोड़कर, उनके संचालन में होने वाले खर्च के लिए,मंदिर और मठों को जिम्मेदारी देने पर सरकार सोच रही है। बनारस में भी मंदिर प्रमुखों का महाकुंभ चल रहा है। उसके पीछे भी मंदिरों और मठ में जो आय होती है। उनकी जो संपत्ति है। उस को किस तरह से सरकार उपयोग में ला सकती है। सरकार के पास अभी तक जो जानकारी एकत्रित हुई है। उसके अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर मंदिरों में 3।28 लाख करोड़ रूपए की वार्षिक आय होती है। सरकार इस आय के माध्यम से गरीबों को निशुल्क या रियायती दर पर खाना, गौशालाओं के संचालन, शिक्षा संस्थानों और स्वास्थ्य के क्षेत्र में मंदिरों की आय का सामान रूपी बटवारा हो। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ाकर मंदिरों की आय में वृद्धि करने जैसी कई योजनाएं केंद्र सरकार बना रही है। भारत के सभी तीर्थ क्षेत्र और महत्वपूर्ण मंदिरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानदंडों पर तैयार करके,धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना केंद्र सरकार की है। राज्य सरकारों, विशेष रुप से भाजपा शासित राज्य सरकारों में धार्मिक स्थलों को लेकर सक्रियता बढ़ गई है। भाजपा हिंदुत्व की पार्टी है। ऐसी स्थिति में भाजपा मंदिरों के सहारे राजनीति के क्षेत्र में और आम जनता से जुड़ने के लिए मठ और मंदिरों का उपयोग करने की रणनीति पर काम करती हुई नजर आ रही है। साधु संतों द्वारा पूर्व में कई बार इसका विरोध भी किया गया है। मठ और मंदिरों में सरकारी हस्तक्षेप लगातार बढ़ता जा रहा है। मंदिरों की जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। मंदिरों के ट्रस्ट में राजनेता और सरकारी अधिकारियों को सर्वो-सर्वा बनाया जा रहा है। इसका विरोध लगातार पंडे पुजारी और मंदिरों के व्यवस्थापक कर रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारें इस समय बड़े कर्ज संकट से जूझ रही हैं। पिछले एक दशक में टैक्स राज्य और केंद्र सरकार द्वारा काफी बढ़ा दिए गए हैं। टैक्स बढ़ाने की गुंजाइश अब लगभग लगभग खत्म हो चली है। ऐसी स्थिति में सरकार का ध्यान अब मंदिरों की संपत्ति और उनकी आय पर चला गया है। इसकी परिणति किस रूप मे सामने आएगी। इसको लेकर हिंदू धर्म के आचार्यों तथा साधु-संतों के बीच अटकलों का दौर चल पड़ा है। बहरहाल, मध्यप्रदेश में गौशाला संचालन की जिम्मेदारी जल्द ही मंदिरों के अधीन की जाएगी। इस बात के स्पष्ट संकेत मिलना शुरू हो गए हैं।

मुद्दा : यादों में रह जाएंगी छावनियां

रणधीर तेजा चौधरी

आने वाले दिनों में देश की छावनियों का स्वरूप सिरे से बदल जाने वाला है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले स्थित योल छावनी से यह शुरूआत हो चुकी है। योल छावनी को अब सैन्य अड्डे और असैन्य इलाके में बांटा जाएगा।

असैन्य इलाके का स्थानीय नगर पालिका में विलय कर दिया जाएगा। रक्षा मंत्रालय द्वारा इस बाबत जारी अधिसूचना के बाद हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल ने छावनी बोर्ड योल के सिविल एरिया को धर्मशाला विकास खंड की पंचायतों में विलीन करने का आदेश दिया है।

देश की सभी छावनियों का स्वरूप इसी प्रकार बदला जाना है। छावनी क्षेत्र के लिए बजट रक्षा मंत्रालय के रक्षा संपदा विभाग से आता है। बजट का एक हिस्सा असैन्य इलाकों पर खर्च होने से सैन्य इलाके को लगता है कि उसे जरूरत के मुताबिक बजट नहीं मिल पाता। सैन्य और असैन्य इलाकों के बीच बुनियादी सुविधाओं को लेकर भी खींचतान जैसी स्थिति रहती है। इसलिए नागरिक इलाकों को छावनी क्षेत्र से अलग करने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। 2019 में हिमाचल प्रदेश के छावनी क्षेत्र के लोगों ने सेना के दबाव से मुक्त करने की मांग करते हुए जोरदार आंदोलन भी चलाया था। उनका कहना था कि अपने मकानों में मरम्मत तक के लिए सैन्य अधिकारियों से मंजूरी लेनी होती है। पानी की आपूर्ति में जब-तब बाधित कर दी जाती है। गौरतलब है कि छावनियां औपनिवेशिक संरचनाएं हैं। योल कस्बे की स्थापना 1849 में हुई थी और यंग ऑफिसर्स लिविंग का संक्षिप्तीकरण है योल। पहले विश्व युद्ध के बाद यहां युद्धबंदियों को रखा जाता था। अलबत्ता, योल छावनी की विधिवत स्थापना 1942 में हुई थी। अब छावनी क्षेत्रों को स्थायी रूप से सैन्य और नागरिक क्षेत्रों में बांटे जाने के फैसले की शुरूआत योल छावनी से कर दी गई है।

किसी छावनी क्षेत्र से आप गुजर रहे हों तो यह नहीं बता सकते कि वह कौन से शहर की छावनी है। सभी में गजब की एकरूपता है। पूरे दिन पीटी, परेड, क्लब कल्चर, खिलाड़ियों के मैदानों में जुटान आदि हर कैंट में दिखलाई पड़ता है। देश के हर प्रांत-क्षेत्र के लोग छावनी में रहते हैं। तमाम छावनियों का भूगोल एक जैसा होता है। हरियाली से ढंका। सुरक्षा का आलम यह कि छोटे बच्चे भी आसपास के बाजार और स्कूलों के मैदान में दिन के किसी भी पहर चहलकदमी कर आते हैं। पेड़ों पर चढ़कर उछल-कूद मचाने, 'चोर-सिपाही' खेल खेलने, रास्ते में कहीं भी मिल जाने वाले पेड़ या झाड़ से आम या बेर तोड़ लेने जैसे नजारे यहां आम होते हैं। गुलाब की सोंधी सी खुशबू चहुंओर बिखरी रहती है। लोगों में सामाजिकता भी गजब की होती है। एक दूसरे की चिंता करने वाली। छावनियां अंग्रेजों की देन हैं। देश में 62 छावनियां हैं। आजादी के समय 56 छावनियां थीं, और 1947 के बाद छह और छावनियां अधिसूचित की गई। इस क्रम में 1962 में अजमेर अंतिम 62वीं छावनी बनी। पहली छावनी बंगाल के बैरेकपुर 1765 में हुगली नदी के किनारे बसाई गई। इसे फ्रेंच के खिलाफ सतर्क रहने के मद्देनजर बसाया गया था। दरअसल, फ्रेंच ने हुगली नदी के दूसरी तरफ चंद्रनागोर (अब चंदननगर) को जीत कर वहां अपने सैनिकों को जमावड़ा कर लिया था। उसके जवाब में अंग्रेजों ने हुगली नदी के दूसरी तरफ छावनी आबाद की। बाद के समय में उन्होंने आगरा, रानीखेत, कसौली में अपने कब्जे में आए क्षेत्रों में छावनियां बसानी शुरू कर दीं। ब्रिटिशकाल में छावनियों का अपना अलग रुतबा था। ब्रिटिशराज समाप्त होने के बाद भी छावनियां बनी रहीं। यहां सैनिकों के फैमिली क्वाटर लाइन और बैरकें होती हैं। व्यवस्थित और उम्दा बाजार, स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ। वाडरे में बंटे छावनी क्षेत्र से निर्वाचित वार्ड सदस्य छावनी क्षेत्र संबंधी फैसले लेते हैं, लेकिन बोर्ड का प्रशासक सैनिक अधिकारी होता है।

हाल के समय में रास्तों और सड़कों पर चलने के अधिकार को लेकर मसला उभरा। आतंकवाद के बाद से सैन्य क्षेत्रों की कुछ सड़कों पर आम आवाजाही प्रतिबंधित करने से नागरिक आबादी को परेशानी हुई। हालांकि 2018 में सरकार ने छावनी क्षेत्रों की सड़कों को सार्वजनिक उपयोग के लिए खोल दिया था। सैन्य क्षेत्र में रहने वाले पूर्व सैनिक अफसर चाहते हैं कि सड़कों को आम लोगों के लिए न खोला जाए क्योंकि इससे सुरक्षा को खतरा पैदा हो जाएगा। पिछले वर्ष सकिंदराबाद छावनी में सेना ने एक सड़क पर आम आवाजाही रोकी गई थी। सड़क का इस्तेमाल करने वाले साढ़े तीन लाख से ज्यादा सिविलियंस को वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करना पड़ा और सड़कों पर भीड़भाड़ और अफरातफरी फैल गई। लोगों ने इस रोक के विरोध में कैंडल मार्च निकाला। इस मांग के साथ कि ब्लॉक की गई सड़क को जनता के लिए खोला जाए।

सुकून और सुंदरता
का एक ही नाम सफेद

● विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।

● सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।

● साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।

● लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।

● आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।

● इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।

● सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।

● सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।

● डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।

● सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।

● वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।

● गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की
बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पढ़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें
खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।

केनरा बैंक का एनपीए हुआ कम....शुद्ध लाभ 75 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । सरकारी स्वामित्व वाले केनरा बैंक ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 75 प्रतिशत बढ़कर 3,535 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने बताया कि फंसे हुए कर्ज में गिरावट और ब्याज आय में वृद्धि से बैंक को मदद मिली। बेंगलूरु स्थित कर्जदाता ने एक साल पहले सामान अवधि में 2,022 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। केनरा बैंक ने बताया कि 2023-24 की पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 29,828 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 23,352 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन अवधि में बैंक की ब्याज आय सालाना आधार पर 18,177 करोड़ रुपये से बढ़कर 25,004 करोड़ रुपये हो गई। जून तिमाही के अंत में सकल एनपीए (गैर-निष्पादित संपत्ति) घटकर 5.15 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले 6.98 प्रतिशत था। इसी तरह शुद्ध एनपीए 2.48 प्रतिशत से घटकर 1.57 प्रतिशत रह गया। इसके चलते फंसे हुए कर्ज के लिए प्रावधान घटकर 2,418 करोड़ रुपये रह गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2,673 करोड़ रुपये था।

गोवा में जनवरी 2024 से सभी टूरिस्ट वाहन ईवी होंगे

पणजी । गोवा की सांवत सरकार ने घोषणा की हैं कि सभी टूरिस्ट वाहन जनवरी 2024 से इलेक्ट्रिक होंगे, जिसमें कार और बाइक शामिल हैं। इसके अलावा मौजूदा वाहनों को जून 2024 तक इलेक्ट्रिक किया जाना चाहिए। पुरानो वाहन मालिकों के पास केवल 6 महीने का समय है, जिसमें वह अपनी कैब वाली गाड़ियों को इलेक्ट्रिक पावरट्रेन में बदलाव करवा सकते हैं। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि जनवरी 2024 से सभी नए पर्यटक वाहन, कैब और बाइक रेंटल ईवी होंगे। वहीं जनवरी 2024 से खरीदे गए नए सरकारी हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) अनिवार्य रूप से ईवी होंगे। कई पर्यटक टैक्सियां रखने वाले परमिट धारकों के लिए, बाइक किराए पर लेना और कैब ऑपरेटर को जून 2024 तक बेड़े के 30 प्रतिशत को ईवी में वापस लाना अनिवार्य होगा। सीएम सावंत ने कहा कि 2021 में सब्सिडी शुरू होने के बाद से राज्य में ईवी स्वामित्व 0.2 प्रतिशत से बढ़कर 9.4 प्रतिशत हो गया है। राज्य ने इस समय में नई सब्सिडी शुरू करने की भी योजना बना रहा है जब केंद्र सरकार ने फेम-2 योजना के तहत दी जाने वाली रियायतों में कटौती की है।

पीएलआई पर खर्च किए जाएंगे 40,000 करोड़ रुपए से भी कम!

नई दिल्ली । सरकार के अंतरिम अनुमानों के मुताबिक महत्त्वाकांक्षी उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत प्रोत्साहन पर वित्त वर्ष 2025 के अंत तक 40,000 करोड़ रुपए से भी कम खर्च किए जाएंगे। पीएलआई योजना का यह चौथा साल होगा। पीएलआई के तहत 1.97 करोड़ रुपए का कुल प्रोत्साहन दिया जाना था और अंतरिम अनुमानों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025 के अंत तक इसमें से केवल एक चौथाई रकम इस्तेमाल हो पाएगी। इससे यह संकेत भी मिलता है कि सभी 14 पीएलआई योजना पूरी तरह से शुरू नहीं हो पाई हैं।14 योजनाओं में से बड़े स्तर की तीन योजनाएं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, बल्क दवा और चिकित्सा उपकरण 2020 में शुरू की गई थीं तथा बाकी योजनाएं उसके बाद के साल में शुरू हुईं। कंपनियों ने वित्त वर्ष 2023 से प्रोत्साहन का दावा करना शुरू किया था, जो भारत में तैयार वस्तुओं की बिक्री में बढ़ोतरी के हिसाब से मिलता है। पिछले वित्त वर्ष में केंद्र सरकार ने 8 क्षेत्रों के पीएलआई लाभार्थियों को बतौर प्रोत्साहन 2,874 करोड़ रुपए दिए हैं। इनमें मोबाइल विनिर्माण, आईटी हार्डवेयर, फार्मास्युटिकल दवा, बल्क दवा, चिकित्सा उपकरण, दूरसंचार, खाद्य उत्पाद और ड्रोन शामिल हैं। मामले के जानकार लोगों ने बताया कि पीएलआई योजना लागू होने के तीसरे साल यानी वित्त वर्ष 2024 में कुल व्यय 13,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025 में प्रोत्साहन भुगतान 23 से 24 हजार करोड़ रुपए रह सकती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 300, निफ्टी 72 अंक फिसला

मुम्बई । शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के तिमाही परिणामों के उम्मीद के अनुसार नहीं होने से भी बाजार में बिकवाली का माहौल बना। शुरुआती कारोबार में ही बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में गिरावट आई। ये सिलसिला कारोबार के अंत तक चला। विदेशी कोषों की निकासी और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई जिससे भी वह नीच आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब 300 अंक 0.45 फीसदी की गिरावट के साथ ही 66,384.78 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,808.56 की ऊंचाई तक जाने के बाद 66,326.25 तक फिसला। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला निफ्टी 72.65 अंक तकरीबन 0.37 फीसदी फिसला। निफ्टी दिन के अंत में 19,672.35 अंक नीचे आकर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,782.75 की उंचाई तक गया और इसके बाद 19,658.30 तक फिसला।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 18 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व और अल्ट्राटेक सीमेंट सेंसेक्स सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में शामिल रहे। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 12 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। आईटीसी, कोटक बैंक, टेक महिंद्रा, रिलायंस और जैएसडब्लयू स्टील सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे।

शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के अनुसार गत सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 1,998.77 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। कारोबार के शुरुआती घंटों में वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.14 फीसदी गिरकर 80.96 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 82 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को रुपया डॉलर के मुकाबले तीन पैसे कमजोर होकर 82.00 रुपए के स्तर पर खुला। बाजार के जानकारों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के चलते रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 82.00 पर खुला और बाद में 82.01 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट दिखाता है। इससे पहले शुक्रवार को रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 81.98 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखोन वाला डॉलर सूचकांक 0.05 अंक गिरकर 101.01 पर पहुंचा गया।

चीनी फोन निर्माताओं ने 9,000 करोड़ की टैक्स चोरी की

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने संसद में कहा है कि ओप्पो मोबाइल, वीवो इंडिया और श्याओमी समेत चीनी स्मार्टफोन निर्माताओं को भारत में 9,000 करोड़ रुपए की कर चोरी करते हुए पाया गया है। राज्यसभा में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर द्वारा साझा किए गए डेटा में 2018-19 और 2022-23 के बीच सीमा शुल्क और जीएसटी सहित लगभग 9,000 करोड़ रुपए की कर चोरी का पता चला। मंत्री ने कहा है कि प्रमुख चीनी मोबाइल हैंडसेट ब्रांड जो भारत में काम कर रहे हैं, वे हैं ओप्पो, वीवो, श्याओमी, ट्रांसन रियलमी और वनप्लस। ये कंपनियां या तो स्वयं या अनुबंध निर्माताओं के माध्यम से मोबाइल हैंडसेट का निर्माण करती हैं। 2021-22 में उनका संचयी कारोबार भारत में 1.5 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान लगाया गया था। उनके विनिर्माण कार्यों में उनके द्वारा उत्पन्न कुल प्रत्यक्ष रोजगार 75,000 से अधिक है। उनके पास लगभग 80,000 श्रमिकों की बिक्री और परिचालन कार्यबल भी है। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य रूप से, इन चीनी कंपनियों ने अपनी स्वयं की विनिर्माण इकाइयां स्थापित की हैं। हालांकि, वे भारत एफआईएच लिमिटेड और डीबीजी टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड जैसे अनुबंध निर्माताओं के साथ भी काम करते हैं, जिन्होंने भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा (ईएमएस) संचालन भी स्थापित किया है। मोबाइल हैंडसेट का वितरण मुख्य रूप से भारतीय कंपनियों द्वारा किया जाता है। हालांकि, ओप्पो और वीवो जैसी कुछ चीनी कंपनियों के कुछ चीनी वितरक भी हैं।

रेंसमवेयर अटैक से पिछले 6 सालों में 2.6 लाख करोड़ का नुकसान

फिरौती में हर साल करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली ।

पहले डकैत अपहरण कर फिरौती के रूप में लाखों रुपए वसूल करते थे। मध्य प्रदेश का चंबल सारे देश में जाना जाता था। चंबल में अब वैसे डाकू तो नहीं रहे।लेकिन इंटरनेट की दुनिया में अब फिरौती वसूल करने के लिए बड़े-बड़े डकैत पैदा हो गए हैं। फिरौती वसूल करने के लिए नए तरीके इजाद हो रहे हैं।पिछले 6 वर्षों में दुनिया भर में रेंसमवेयर मालवेयर के माध्यम से कंप्यूटर में रखी फाइलें और डाटा को अपने अधिकार में लेकर फिरौती के रूप में करोड़ों रुपए वसूल करने का यह धंधा, बड़े पैमाने में दुनिया भर में चल रहा है। अभी तक 3.23 करोड़ से ज्यादा व्यक्तिगत डेटा को हैक किया गया है। हैकर,अमेरिका,कनाडा फ्रांस और भारत जैसे देश में बड़े पैमाने पर साइबर अटैक कर रहे हैं।

-हैकर्स बने डकैत

आमतौर पर हैकर्स बड़ी कंपनियों को अपने निशाने पर लेते हैं।उनके पोर्टल को हैक करके और डाटा चोरी करके भारी कीमत वसूल करते हैं। जो पैसा नहीं देता है, उसका डाटा डार्क वेब के पोर्टल पर कई गुना कीमत पर बेच दिया जाता है। उसके बाद वहां से दुनिया भर के जालसाज तरह-तरह की जालसाजी शुरू कर देते हैं।

-भारत में 5 बड़े हमले

2018 से भारत के वित्तीय संगठनों पर पांच बार बड़े साइबर अटैक हुए हैं। राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक से बड़े पैमाने पर वसूली इन हेकर्स द्वारा की गई है। ग्लोबल सिक्योरिटी कंपनी

साइबर आर्क के अनुसार,भारत की 10 में से 9 कंपनियों ने पिछले साल फिरौती में काफी बड़ी रकम अदा की है।

-बीमा कंपनियां निशाने पर

वित्तीय मामलों में बीमा कंपनियां मे सबसे ज्यादा रेंसमवेयर के अटैक होते हैं। इनका डाटा वित्तीय लिहाज से हैकर्स के लिए ज्यादा मुनाफा देने वाला होता है।

-वसूली के तरीके

किसी भी पोर्टल पर हैकर्स द्वारा मैलवेयर भेजकर कंप्यूटर सिस्टम में मौजूद फाइलों पर नियंत्रण कर लिया जाता है। इसके बाद कंपनी के डाटा वापसी के लिए बड़ी फिरौती मांगी जाती है। 2022-23 में इस तरह के अटैक बड़े पैमाने पर बढ़ गए हैं। 1 साल में 1.4 करोड़ से ज्यादा वसूली करने के मामले सामने आए हैं।

निर्धारित समय अवधि में भरें क्रेडिट कार्ड का बिल,नहीं तो भरना होगा जुर्माना

नई दिल्ली ।

अगर आप क्रेडिट कार्ड उपयोग हैं तो निर्धारित तारीख के कॉन्सेप्ट से वाकिफ होंगे। जो लोग अभी इसे लेकर किसी दुविधा में हैं उन्हें बता दें कि यह वह तिथि होती है जिस दिन आपको अपने क्रेडिट कार्ड से किए खर्च का बिल भुगतान करना होता है। अगर आप निर्धारित तारीख के दिन तक बिल भुगतान नहीं करते तो बैंक आप पर अच्छी-खासी पेनल्टी लगा सकता है। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि निर्धारित तिथि बीतने के बाद भी बगैर पेनल्टी के बिल भुगतान किया जा सकता है। देश के केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी नियमों के अनुसार, कार्डधारक अगर निर्धारित तिथि के तीन दिन बाद तक बिल भुगतान कर देता है तो उससे कोई पेनल्टी नहीं वसूली जाएगी। यानी अगर आपकी आखिरी तारीख 3 जुलाई है तो आप 6 जुलाई तक बगैर किसी पेनल्टी के ही बिल का भुगतान कर सकते हैं।

अगर बिल का भुगतान सही समय पर नहीं किया जाए तो कार्डधारक का क्रेडिट स्कोर नकारात्मक रूप से प्रभावित होता है। इससे कार्डधारक को भविष्य में कोई भी लोन लेने में परेशानी आ सकती है।

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या ड्यू डेट के तीन दिन बाद तक बिल भरने से क्रेडिट स्कोर पर कोई बुरा असर होता है? इसका जवाब है, नहीं है। अगर आप तीन दिन के अंदर बिल भर देते हैं तो आपका क्रेडिट स्कोर दुरुस्त रहता है। अगर आप अतिरिक्त 3 दिनों में भी बिल का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो आपको भारी-भरकम जुर्माना चुकाना पड़ता है।

4 वर्षों में पीएलआई योजना के बजट का 20 फ़ीसदी भी खर्च नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स,दवा और चिकित्सा उपकरण को प्रोत्साहित करने के लिए 2020 में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना शुरू की थी।सरकार ने 2025 तक के लिए 1.97 लाख करोड़ प्रोत्साहन के लिए आरक्षित किए थे।हाल ही में जो अनुमान लगाया जा रहा है। उसके अनुसार वर्ष 2025 तक अधिकतम इस योजना में 40000 करोड़ रुपए ही खर्च हो पाएंगे। वित्त वर्ष 2024 में 13000 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। भारत में वस्तुओं का बिक्री और उत्पाद बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने 8 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना शुरू की थी।इसमें मोबाइल विनिर्माण, आईटी हार्डवेयर, फार्मास्यूटिकल्स, चिकित्सा उपकरण, दूरसंचार,खाद्य उत्पाद और ड्रोन इत्यादि के निर्माण शामिल थे। इस योजना का तीसरा वर्ष खत्म हो गया है। 2024 में 13000 करोड खर्च होने का अनुमान है। योजना के 5 वर्षों मे कुल 40 हजार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया है।केंद्र सरकार ने इसके लिए 1.97 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इस योजना के आने के बाद भी, देश में उत्पादन और बिक्री के मामले में भारतीय कंपनियां कोई विशेष कौशल नहीं दिखा पाई हैं।

टॉप ग्लोबल इक्विटी फर्म ने अडानी कैपिटल और अडानी हाउसिंग को खरीदा

मुंबई ।

टॉप ग्लोबल इक्विटी फर्म बेन कैपिटल ने अडानी समूह की कंपनी अडानी कैपिटल और अडानी हाउसिंग का खरीद लिया है। इस अधिग्रहण को लेकर दोनों कंपनियों के बीच समझौता हो गया है। इस डील के तहत बेन कैपिटल अडानी कैपिटल और अडानी हाउसिंग की 90 फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर लेगी। अडानी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद से ही कंपनी में सब कुछ सही नहीं चल रहा है। हालांकि गौतम अडानी खुद अडानी समूह पर लगे डेंट को सही करने की कोशिश करते देखे गए हैं। इस क्रम में उन्होंने निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए कई बार बयान जारी किया है और बताया कि समूह में सब कुछ सही चल रहा है। इन सब के बावजूद अडानी की कंपनी मुश्किल में घिरती जा रही है। कंपनी कई कारोबार से अपने हाथ समेट रही हैं। जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग ने अडानी समूह को लेकर खुलासा किया, जिसके बाद से गौतम अडानी और उनकी कंपनी को एक के बाद एक झटके लगे रहे हैं।

गौतम अडानी समूह पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने कंपनियों में निवेशकों का विश्वास कमजोर कर दिया है। हालांकि, अडानी समूह ने निवेशकों का विश्वास फिर से जीतने के लिए कई आवश्यक कदम उठाए। इसी कड़ी में ग्रुप अलग-अलग तरीकों से फंड जुटाने की योजना बना रहा है. अदानी समूह की तीन लिस्टेड कंपनियां - अदानी एंटरप्राइजेज, अदानी ग्रीन एनर्जी और अदानी ट्रांसमिशन कैलेंडर वर्ष के अंत तक क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) लॉन्च करके 33,000 करोड़ रुपएजुटाने की योजना बना रही है।

किफायती मकानों की हिस्सेदारी हुई कम

नई दिल्ली ।

किफायती मकानों की हिस्सेदारी में गिरावट देखी जा रही है। इस साल की पहली छमाही में कुल मकानों की बिक्री में किफायती मकानों की बिक्री घटकर 20 फीसदी रह गई। इसकी वजह जमीन समेत अन्य उच्च लागत और बडे आकार के घरों की मांग बढ़ना है। रियल एस्टेट रिसर्च फर्म एनारॉक समूह के मुताबिक वर्ष 2023 की पहली छमाही के दौरान देश के 7 प्रमुख शहरों में 2.29 लाख मकान बिके। इनमें करीब 20 फीसदी हिस्सेदारी के साथ किफायती मकानों की संख्या 46,650 रही। वर्ष 2022 की पहली छमाही में कुल बिके 1.84 लाख मकानों में 31 फीसदी हिस्सेदारी के साथ किफायती मकानों की संख्या 57,060 रही। इस तरह किफायती मकानों की हिस्सेदारी 31 फीसदी से घटकर 20 फीसदी रह गई।इस साल पहली छमाही में सबसे ज्यादा 17,470 किफायती मकान मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में बिके। इसके बाद 9,700 मकान पुणे में, दिल्ली-एनसीआर में 8,680 मकान, कोलकाता में 4,990 मकान, बेंगलुरु में 3,270 मकान, चेन्नई में 1,820 मकान और हैदराबाद में 720 मकान बिके। एनारॉक समूह के चेयरमैन अनुज पुरी कहते हैं कि इस साल की पहली छमाही में किफायती मकानों की हिस्सेदारी घटकर 20 फीसदी रह गई है। जमीन की लागत काफी बढ़ गई है। ऐसे में जमीन समेत अन्य उच्च लागत पर कम मार्जिन वाले मकान बनाना अव्यवहारिक है।

टर्म बी लोन को लेकर बैजूस के लिए राहत भरी खबर

मुंबई ।

बैजूस के लिए फिर राहत की खबर आई है। बैजूस ने अपने 1.2 अरब डॉलर के टर्म बी लोन पर दुबारा काम करने के लिए कर्जदाताओं के साथ समझौता किया है। ऐसा तब हुआ है जब एडटेक कंपनी को रीपेमेंट करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और वह इसके लिए मुकदमा तक लड़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल की शुरुआत में कंपनी के संकट में पड़ने के बाद बैजूस के कर्जदाताओं का एक समूह 1.2 अरब डॉलर के लोन की शर्तों को बदलने के लिए भारतीय शिक्षा-प्रौद्योगिकी (एडटेक) स्टार्टअप के साथ काम कर रहा है। टर्म लोन पर कर्जदाताओं की एक संचालन समिति और बैजूस ने 3 अगस्त से पहले एक हस्ताक्षरित समझौते पर सहमति व्यक्त की है। पहचान न बताने की शर्त पर कुछ लोगों ने बताया कि बातचीत अभी भी जारी है और स्थिति बदल सकती है। टर्म लोन बी लंबी अवधि के फाइनैंस के लिए लिया जाता है और इसके बदले कर्ज लेने वाली कंपनी या फर्म कर्जदाताओं को ब्याज भुगतान करती रहती है और मूल राशि यानी प्रिंसिपल अमाउंट का पेमेंट निश्चित अवधि के अंत में किया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, यदि लोन की शर्तों पर सफलतापूर्वक काम किया जाता है, तब लेनदारों से तुरंत रीपेमेंट की मांग ड्रॉप करने की उम्मीद की जाती है। बैजूस के खिलाफ चल रहे मामले भी हटाए जाने की संभावना है। इससे कंपनी को राहत मिल सकती है जो पिछले साल से पैसा जुटाने के लिए संघर्ष कर रही है। 6 जून को, बैजूस अपने टीएलबी लेनदारों को 4 करोड़ डॉलर का ब्याज भुगतान करने से चूक गई थी।

9 जून को, कर्जदाताओं के एक समूह ने बयान जारी कर कहा कि मामला योग्यताहीन था। इसके पहले, कंपनी के बोर्ड के तीन सदस्यों और उसके ऑडिटर ने 'गवर्नेंस ईश्यू' का हवाला देकर बाहर निकलने का फैसला किया था। बाद में 13 जुलाई को, बैजूस ने भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व अध्यक्ष रजनीश कुमार और इंफोसिस के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी मोहनदास पई को अपनी बोर्ड सलाहकार समिति में शामिल किया। वर्तमान में, बैजू रवींद्रन, को-फाउंडर दिव्या गोकुलनाथ और रिजू रवींद्रन ही एडटेक स्टार्टअप के बोर्ड में हैं। अंतिम बार कंपनी की वैल्यू 22 अरब डॉलर आंकी गई थी। कंपनी को अभी भी 2021-22 (वित्तीय वर्ष) के लिए अपने फाइनैंशियल स्टेटमेंट फाइल करना बाकी है। इसने सरकार का ध्यान भी आकर्षित किया है।

वर्क फ्रॉम होम के लिए कम वेतन लेने को तैयार कर्मचारी

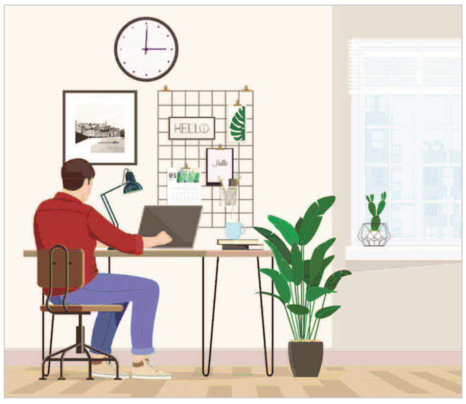

नई दिल्ली ।

कोरोना महामारी के दौरान शुरू हुआ वर्क फ्रॉम होम का कल्चर तेजी से बढ़ा है। आलम यह है कि अब लोग ऑफिस जाने के बजाय घर से काम करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। इतना ही नहीं बड़ी संख्या में कर्मचारी इस लचीली व्यवस्था को वेतन से ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इसके साथ ही कार्यालय की जगह घर या किसी अन्य स्थान से काम करने की अनुमति देने से कंपनियों को प्रतिभावान कर्मचारी पाने और उन्हें कंपनी में बनाए रखने में मदद मिल रही है। एक सर्वेक्षण के अनुसार, दो-तिहाई लोगों ने मिलीजुली व्यवस्था या रिमोट वर्किंग को प्राथमिकता दी है। इनमें से 71 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि उन्होंने नौकरी खोजते समय घर से काम करने की आजादी, काम के घंटों में लचीलापन और आवश्यकतानुसार ब्रेक लेने की सुविधा को प्राथमिकता दी। सर्वेक्षण में 561 नियोक्ताओं और 1,249 नौकरी चाहने वालों सहित कुल 1,810 व्यक्तियों से बात की गई। सर्वेक्षण में 63 प्रतिशत नौकरी चाहने वालों ने मिलीजुली व्यवस्था यानी घर और कार्यालय दोनों जगह से काम करने की सुविधा को प्राथमिकता दी, जबकि 51 प्रतिशत कंपनियों ने भी अपने संचालन में इस तरह के लचीलेपन की पेशकश की। दुनियाभर में करोड़ों कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम के पक्ष में हैं।

विश्वकप के लिए शुरुआती 15 खिलाड़ियों में शामिल नहीं सूर्यकुमार, राहुल और अय्यर को जगह मिलना तय

–ईशान और संजू दूसरे विकेटकीपर की रेस में शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्वकप क्रिकेट के लिए आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को शुरुआती 15 खिलाड़ियों में शामिल नहीं किया जाएगा। वहीं युवा विकेटकीपर बल्लेबाजों ईशान किशन और संजू सैमसन को इसमें जगह मिली है। विश्वकप को देखते हुए भारत और वेस्टइंडीज के बीच 27 जुलाई से शुरु हो रही तीन मैचों की सीरीज अहम मानी जा रही है। इसमें खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखने के लिए मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर भी वेस्टइंडीज पहुंच गये है। वह कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ से एशिया कप से लेकर विश्व कप तक के लिए खिलाड़ियों को लेकर बात करेंगे। वहीं बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि सूर्यकुमार को विश्वकप के लिए केवल सिर्फ बैकअप के तौर पर ही रखा जाएगा क्योंकि एकदिवसीय में उनका रिकार्ड अच्छा नहीं है। सूर्यकुमार के एकदिवसीय के रिकॉर्ड को देखें तो उन्होंने 23 मैच की 21 पारियों में 24 की औसत से 433 रन ही बनाये हैं। इसमें 2 अर्धशतक लगाये हैं। उपना सबसे अधिक स्कोर 64 रन है।

साथ ही कहा कि लोकेश राहुल और श्रेयस अय्यर टीम में जगह बनाने की दौड़ में सूर्यकुमार से कहीं आगे हैं। सूर्या को विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिलेगी। वह रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टीम में रखे जा सकते हैं।

ऋषभ पंत के उपलब्ध नहीं होने के कारण मुख्य विकेटकीपर के तौर पर लोकेश राहुल को जगह मिलना तय है। ऐसे में दूसरे विकेटकीपर के तौर पर ईशान किशन या संजू सैमसन में से किसी एक ही अवसर मिलेगा। अब देखना है कि वेस्टइंडीज सीरीज में दोनों में से टीम प्रबंधन किसे अवसर देता है। जिसको भी अवसर मिलेगा विश्वकप में उसको खेलना तय रहेगा।

सैमसन ने अबतक 11 एकदिवसीय की 10 पारियों में 66 की औसत से 330 रन बनाए हैं जिसमें 2 अर्धशतक शामिल हैं।

इसके साथ ही नाबाद 86 रन उनका सबसे अधिक स्कोर है। दूसरी ओर ईशान ने एकदिवसी की 13 पारियों में 43 की औसत से 510 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं।

भारतीय टेनिस खिलाड़ी करमन ने इवान्सविल में जीता ऐतिहासिक खिताब

इवान्सविल (एजेंसी)। भारतीय टेनिस खिलाड़ी करमन कौर थांडी ने यहां आयोजित आईटीएफ डब्ल्यू60 इवान्सविल के फाइनल में यूक्रेन की यूलिया स्तारोदुब्तसेवा को हराकर एकल खिताब जीत लिया है। राउंडग्लास अकादमी की करमन ने रविवार को हुए फाइनल में अपने यूक्रेनी प्रतिद्वंदी को 7-5, 4-6, 6-1 से मात दी। इस जीत के साथ करमन सानिया मिर्जा के बाद अमेरिका में प्रो खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला बन गयीं। करमन ने फाइनल तक पहुंचने के लिये पहले राउंड में मेक्सिको की मारिया फर्नांडा नवारो और दूसरे राउंड में अमेरिका की मारिबेला ज़मारिप्पा को हराया था। क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की वाइल्ड कार्ड प्रवेशी एली किक को सीधे सेटों में हराने के बाद उन्होंने सेमीफाइनल में अमेरिका की मेकाटर्नी केसलर को मात दी थी।

करमन वर्तमान में डब्ल्यूटीए एकल रैंकिंग में 261वें स्थान पर हैं और देश की दूसरे नंबर की महिला खिलाड़ी हैं। वह हाल ही में कनाडा के सास्काटून चैलेंजर डब्ल्यू60 की युगल स्पर्धा और अमेरिका में आयोजित डब्ल्यू60 सुमेर पाल्मेटो प्रो ओपन की एकल स्पर्धा में उपविजेता रही थीं। करमन राउंडग्लास टेनिस अकादमी के तकनीकी निदेशक और कोच आदित्य सचदेवा एवं उनकी टीम के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं।

कोच सचदेवा ने कहा, 'दो बार उपविजेता रहने के बाद यह जीत करमन का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिये एक अच्छे समय पर आई है क्योंकि वह अमेरिकी ओपन में जगह बनाने के लिये खुद को तैयार कर रही हैं। उनका हालिया फॉर्म उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ता का प्रमाण है। हमें उम्मीद है कि वह आगे भी इस फॉर्म को बनाए रख सकेंगी।'

टीम ने बनाया नया वर्ल्ड रिकॉर्ड, सबसे तेज रन जोड़ने में रोहित - यशस्वी ने किया कमाल

दुबई (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच जारी टेस्ट मैच में रोहित ब्रिगेड ने अपनी दूसरी पारी में तेजी से रन बनाए है। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन दूसरी पारी में दो विकेट के नुकसान पर 181 रन बना कर पारी घोषित कर दी है। इस दौरान इशान किशन ने ऋषभ पंत के बल्ले से धमाकेदार अर्धशतक भी जड़ा। मैच को बारिश के कारण बीच में रोकना भी पड़ा था। अब मेजबान टीम को 365 रनों का लक्ष्य मिला है, जिसमें दो विकेट खोकर टीम 76 रन बना चुकी है।

इस मैच में भारत ने शानदार रिकॉर्ड भी बनाया है। मैच में भारतीय टीम ने 100 रन सिर्फ 74 गेंद पर ही बना लिए है। भारत ने इस दमदार गति से रन बनाकर शानदार रिकॉर्ड भी बनाया है। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज 100 रन बनाने का रिकॉर्ड भी भारतीय टीम के पास आ गया है। इस मुकाबले में रोहित शर्मा ने (57 रन, 44 गेंद, 5 फोर, 3 सिक्स) और यशस्वी जायसवाल (38 रन, 30 गेंद, 4 फोर, 1 सिक्स) की पारी खेली। मैच के दर्शकों को टेस्ट मैच में टी20 का मजा मिला। इस मैच में रोहित शर्मा ने सिर्फ 35 गेंदों में ही अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 100 रन बनाकर इतिहास रच दिया है। भारत से पहले ये रिकॉर्ड श्रीलंका की टीम के पास था। श्रीलंका की टीम ने टेस्ट क्रिकेट में 80 गेंदों में 100 रन बनाए थे। श्रीलंका ने ये उपलब्धि बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए मुकाबले में हासिल की थी।

दूसरे सत्र का अधिकांश खेल बारिश की भेंट चढ़ा, भारत को 301 रन की बढ़त

पोर्ट ऑफ स्पेन। (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन रविवार को यहां बारिश के कारण दूसरे सत्र में सिर्फ तीन ओवर का खेल हो पाया लेकिन भारत चाय तक अपनी कुल बढ़त को 301 रन तक पहुंचाने में सफल रहा। दूसरी पारी में भारत ने तूफानी शुरुआत करते हुए लंच से पहले सिर्फ 12 ओवर में एक विकेट पर 98 रन बनाए। बारिश के कारण लंच का ब्रेक जल्दी लेना पड़ा। लंच के बाद तीन ओवर में भारत ने 20 रन जोड़कर स्कोर दो विकेट पर 118 रन तक पहुंचाया। मेहमान टीम ने इस दौरान सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (30 गेंद में 38 रन) का विकेट गंवाया। इसके बाद दोबारा बारिश होने लगी और खेल रोकना पड़ा।

बारिश के कारण खेल रोके जाने के समय शुभमन गिल 10 जबकि इशान किशन आठ रन बनाकर खेल रहे थे। पांचवें दिन भी बारिश की भविष्यवाणी की गई है और ऐसे में भारत वेस्टइंडीज को दूसरी पारी में आउट करने के लिए पर्याप्त समय चाहेगा जिससे की श्रृंखला में क्लीनस्वीप कर सके। जायसवाल दूसरे सत्र में आउट होने वाले एकमात्र बल्लेबाज रहे। उन्होंने दूसरे सत्र के पहले ओवर में जोमेल वारिकन की गेंद को स्लॉग स्वीप करने की कोशिश में विकेटकीपर जोशुआ डा सिल्वा को कैच थमाया। कप्तान रोहित शर्मा (44 गेंद में 57 रन) ने

भी दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए सिर्फ 35 गेंद में अपना सबसे तेज टेस्ट अर्धशतक बनाया। रोहित ने शेनन गैब्रिएल की गेंद पर फाइन लेग पर अल्जारी जोसेफ को कैच थमाया।

उन्होंने जायसवाल के साथ पहले विकेट के लिए 98 रन की साझेदारी की। इससे पहले मोहम्मद सिराज ने 23.4 ओवर में 60 रन पर पांच विकेट चटकाते हुए वेस्टइंडीज के निचले क्रम को ध्वस्त किया। वेस्टइंडीज ने दिन की शुरुआत पांच विकेट 229 रन से की और 26 रन जोड़कर बाकी पांच विकेट भी गंवा दिए जिससे पूरी टीम 255 रन पर सिमट गई और भारत ने 183 रन की बढ़त हासिल की। मोहम्मद शमी और चोटिल जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में कैरेबियाई सरजमीं पर भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई कर रहे सिराज ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को सुबह के सत्र में उनका सामना करने में काफी दिक्कतें आईं। भारत को दिन की पहली सफलता पदार्पण कर रहे मुकेश कुमार ने दिलाई।

पाक क्रिकेटरों ने पीसीबी के सामने वेतन बढ़ाने के साथ ही कई और मांगे रखीं

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीसी) से वेतन बढ़ाने के साथ ही केन्द्रीय अनुबंध को बेहतर बनाने की मांग की है। पीसीबी का केन्द्रीय अनुबंध 30 जून को ही समाप्त हो गया है और इस समय पाक टीम बिना किसी करार के श्रीलंका में सीरीज खेल रही है। पाक खिलाड़ियों ने मुख्य रुप से चार मांग रखीं हैं जिनपर श्रीलंका दौरे के बाद फैसला होने की संभावना है। वहीं पीसीबी के अनुसार अब तक खिलाड़ियों ने अनुबंध विस्तार के किसी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। खिलाड़ी पीसीबी की नई प्रबंधन समिति के प्रमुख जका अशरफ से बात करना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि पूर्व प्रमुख नजम सेठी के कार्यकाल में वेतन में 45 फीसदी बढ़ोतरी की जो बात हुई थी उसे अमल में लाया जाये। और खिलाड़ी इसी मांग हैं! पीसीबी के केन्द्रीय अनुबंध में शामिल खिलाड़ी दूसरे क्रिकेट बोर्ड की तुलना में वेतन चाहते हैं। इसके अलावा वे परिवार के लिए स्वास्थ बीमा और शिक्षा को लेकर भी पॉलिसी चाहते हैं। वहीं प्रायोजकों का मानना है कि आईसीसी के इवेंट से होने वाली कमाई में हिस्सेदारी के साथ ही विदेश लीग में हिस्सा लेने के लिए एनओसी जारी करने में और पारदर्शिता की जरुरत है।

नोआ लाइल्स ने तोड़ा उसेन बोल्ट का रिकॉर्ड, जानें विश्व चैंपियन के बारे में पांच दिलचस्प तथ्य

नोआ लाइल्स ने मात्र 20 सेकंड से भी कम समय में सर्वाधिक 200 मीटर दौड़ को पूरा किया है। ये रिकॉर्ड अब तक उसेन बोल्ट के नाम था। ये उपलब्धि नोआ लाइल्स ने कुछ समय पूर्व ही हासिल की है। इस रिकॉर्ड के साथ ही नोआ लाइल्स चर्चा में आ गए है। नोआ लाइल्स ने 23 जुलाई को लंदन एथलेटिक्स मीट में लेट्साइल टेबोगो को हराकर 19.47 सेकंड के समय के साथ दौड़ जीती। 200 मीटर में 20 सेकंड के अंदर यह उनकी 35वीं दौड़ थी। इस जीत के साथ वो 20 सेकेंड से कम समय में रेस जीतने के मामले में उसेन बोल्ट से आगे निकल गए है। 26 वर्षीय खिलाड़ी नोआ लाइल्स ने पहले ही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दोहरा प्रयास करने की योजना घोषित कर दी है। इस बार नोआ का लक्ष्य है कि वो चैंपियनशिप में जीत हासिल कर गोल्ड मेडल जीते। अगर उन्हें गोल्ड मेडल जीतने में सफलता मिलती है तो वो उसेन बोल्ट और एलिसन फेलिक्स के साथ मिलकर 200 मीटर में लगातार तीन गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो जाएंगे। बता दें कि उसेन बोल्ट ने चार बार जीत हासिल की, जबकि लाइल्स पहले ही 2019 और 2022 में जीत हासिल कर चुके हैं।

बारिश के कारण चौथा टेस्ट ड्रॉ, ऑस्ट्रेलिया के पास बरकरार रही एशेज ट्रॉफी

मैनचेस्टर (एजेंसी)। बारिश ओर खराब मौसम के कारण यहां एशेज सीरीज का चौथा टेस्ट मैच हार-जीत के परिणाम के बिना ही समाप्त हो गया। इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम एशेज ट्रॉफी को अपने पास बरकरार रखने में सफल रही है। इसका कारण है कि गत वर्ष उसने एशेज सीरीज जीती थी। इस सीरीज में अब एक मैच ही बचा है और इंग्लैंड टीम उसे जीतती भी है तो भी सीरीज ड्रॉ रहेगी। ऐसे में नियमों के अनुसार एशेज ट्रॉफी गत विजेता के पास ही रहती है। इंग्लैंड को चौथे टेस्ट में जीत के लिए पांच विकेट की जरूरत थी और ऑस्ट्रेलिया को मेजबान टीम को फिर से बल्लेबाजी के लिए मजबूर करने के लिए 61 रनों की जरूरत थी। बेन स्टोक्स की टीम के पास ये मैच जीतने का अवसर था पर बारिश के कारण पांचवें दिन कोई खेल नहीं हो पाने के कारण उन्हें जीत का मौका नहीं

मिला। यह पहली बार है कि स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लैंड टीम ड्रॉ पर मजबूर हुई है। अब ऑस्ट्रेलियाई टीम के पास अंतिम मैच जीत के साथ ही 2001 के बाद पहली बार इंग्लैंड में सीरीज़ जीतने का अवसर है।

वहीं मेजबान इंग्लैंड अब 27 जून से ओवल में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट को जीतने और श्रृंखला को 2-2 से बराबरी पर लाने के इरादे पर उतरेगी।

मैनचेस्टर में बारिश ने शनिवार को चौथे दिन के खेल के दो सत्र बर्बाद कर दिए थे। वहीं अंतिम दिन मौसम खराब होने के अनुमान था जो सही साबित हुआ। आउटफील्ड पर बड़े-बड़े गड्ढे बनने लगे। बारिश के कारण पिच निरीक्षण स्थगित होने के कारण दोपहर का भोजन जल्दी लिया गया।

खेल शुरू होने की कुछ उम्मीद बनी और दोपहर एक बजे खेल शुरू होने की घोषणा की गई पर बारिश के कारण खेल फिर से बाधित हो गया। इसके बाद शाम को मैच ड्रॉ की घोषणा कर दी गयी।

नोवाक जोकोविच ने टोरंटो टूर्नामेंट से नाम वापस लिया, जानें क्या रही वजह

टोरंटो। विम्लबडन फाइनल में कार्लोस अल्काराज से हारने के बाद नोवाक जोकोविच ने अतिरिक्त आराम के लिए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट से भी नाम वापस ले लिया है। टेनिस कनाडा ने रविवार को घोषणा की कि जोकोविच थकान के कारण इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे। 23 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन 36 वर्ष के जोकोविच को अमरीकी ओपन की तैयारी इस हार्डकोर्ट टूर्नामेंट से शुरू करनी थी। उन्हें पिछले रविवार को विम्बलडन फाइनल में अल्काराज ने पांच सेटों में हराया। चार बार नेशनल बैंक खिताब जीत चुके जोकोविच ने कहा, 'कनाडा में मुझे हमेशा अच्छा लगता है लेकिन अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मैने तय किया कि यही फैसला सही है।% जोकोविच की जगह अब अमरीका के क्रिस्टोफर यूबेंक्स को मिली है जो विम्बलडन में अप्रत्याशित प्रदर्शन करके क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे।

भारतीय महिला और पुरूष टीमों की नजरें स्पेन में अच्छे प्रदर्शन पर

लाहौर (एजेंसी)। नई दिल्ली –भारतीय महिला और पुरूष हॉकी टीमें स्पेन के टेरासा में मंगलवार से शुरू हो रहे स्पेनिश हॉकी महासंघ की सौवीं वर्षगांठ वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेंगी। टूर्नामेंट में भारतीय पुरूष टीम का सामना इंग्लैंड, नीदरलैंड और मेजबान स्पेन से होगा जबकि महिला टीम इंग्लैंड और स्पेन से खेलेगी।

पुरूष टीम के लिए यह टूर्नामेंट तीन से 12 अगस्त तक चेन्नई में होने वाली हीरो एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी की तैयारी का सुनहरा अवसर है। उसके बाद चीन के हांगझोउ में एशियाई खेल होने हैं। भारतीय पुरूष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'स्पेन में टूर्नामेंट से हमें कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खुद को आंकने का मौका मिलेगा। इससे हमें पता चलेगा कि किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है जिससे एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी और एशियाई खेलों की तैयारी पुख्ता होगी।'

दूसरी ओर महिला टीम की कप्तान सविता ने कहा, 'स्पेन दौरे से हमें एशियाई खेलों की तैयारी में मदद मिलेगी। वहां फोकस रणनीति पर अमल करने और टीम भावना के साथ अच्छे प्रदर्शन पर होगा।' उन्होंने कहा, 'हम अपनी शैली में खेलेंगे लेकिन पिछले दौरे की कमियों की भरपाई भी करेंगे।'

एआईएफएफ ने महिला फुटबॉल ओलंपिक क्वालीफायर के लिए संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने इस साल होने वाले एएफसी महिला ओलंपिक क्वालीफायर के दूसरे दौर की टीम के चयन के लिए सोमवार को राष्ट्रीय शिविर में हिस्सा लेने वाली 34 खिलाड़ियों की घोषणा की। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने किर्गिस्तान को 5-0 और 4-0 से हराकर ओलंपिक क्वालीफायर के दूसरे दौर में जगह बनाई। भारत ताशकंद में होने वाले एएफसी महिला ओलंपिक क्वालीफायर के ग्रुप सी में 26 अक्टूबर को जापान, 29 अक्टूबर को वियतनाम और एक अक्टूबर को मेजबान उज्बेकिस्तान से भिड़ेगा। शिविर भुवनेश्वर में 30 जुलाई से शुरू होगा। संभावित खिलाड़ी इस प्रकार हैं।

गोलकीपर- सौम्या नारायणसामी, मेइबाम लिनथोइनगांबी देवी, श्रेया हुड्डा। डिफेंडर- लोइटोंगबम आशालता देवी, नगंगबम स्वीटी देवी, संजू, रितु रानी, सोरोखैबम रंजना चानू, मिशेल मार्गरेट कास्टन्हा, डालिमा छिब्बर, मनीषा पन्ना, अस्तम ओरांव, जूली किशन, सिल्की देवी, जाबामनी टुडु। मिडफील्डर- प्रियंगका देवी, अंजू तमांग, इंदुमती कथिरेसन, संगीता बासफोर, काजोल ह्यूबर्ट डिसूजा, आसिम रोजा देवी, कार्तिका अंगमुथु। फारवर्ड- डेंगमेई ग्रेस, सौम्या गुगुलोथ, मनीषा कल्याण, अपूर्णा नारजार, नेहा, सुमति कुमारी, रेनु, करिश्मा पुरूषोत्तम शिरवोइकर, संध्या रंगनाथन, प्यारी शाशा, ज्योति, नगंगोम बाला देवी।

शफीक और अबरार के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान ने बनाया दबदबा

कोलंबो (एजेंसी)। अबरार अहमद (69 रन पर चार विकेट) और नसीम शाह (41 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन के बाद अब्दुल्ला शफीक की आक्रामक पारी के दम पर पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन सोमवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। श्रीलंका की पहली पारी को 166 रन पर समेटने के बाद पाकिस्तान ने पहले दिन स्टंप्स तक दो विकेट पर 145 रन बना लिये। स्टंप्स के समय सलामी बल्लेबाज शफीक 74 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं और कप्तान बाबर आजम आठ रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं। दो मैचों की इस श्रृंखला में पाकिस्तान 1-0 से आगे है।

श्रीलंका की पारी को सस्ते में समेटने के बाद पाकिस्तान ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए शुरुआती ओवर में छह से अधिक की रन गति से रन बनाये। टीम ने 50 गेंद में 50 और 101 गेंद में रनों का शतक पूरा किया। शफीक ने इस दौरान 49 गेंद में अपने टेस्ट करियर का पांचवां अर्धशतक पूरा किया जबकि शान मसूद ने 44 गेंद में अपना पचासा जड़ा। असिता फर्नांडो ने पारी के तीसरे ओवर में इमाम उल हक (छह) को आउट करने के बाद अपने दूसरे स्पैल मे मसूद को चलता किया। मसूद ने 47 गेंद की पारी में चार चौके और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाये। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए शफीक के साथ 108 रन की तेज तर्रार साझेदारी की। शफीक जब 42 रन पर थे तब प्रभात जयसूर्या ने अपनी ही गेंद पर उनका कैच टपका कर जीवन दान दिया। उन्होंने अब तक 99 गेंद की नाबाद पारी में सात चौके और दो छक्के लगाये हैं।

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी का श्रीलंका का फैसला गलत साबित हो गया। बारिश के कारण मैच एक घंटा विलंब से शुरू हुआ लेकिन शुरू होते ही सलामी बल्लेबाज निशान मदुशंका (4) तीसरे ओवर में रन आउट हो गए। कप्तान दिमुथ करूणारत्ने ने शाहीन अफरीदी की गेंद कवर में खेली और रन लेने के लिये दौड़े लेकिन शान मसूद के थ्रो ने गिल्लियां बिखेर दी जबकि मदुशंका क्रीज तक नहीं पहुंचे थे। कुसल मेंडिस छह रन बनाकर अफरीदी की गेंद पर कवर में कैच दे बैठे। नसीम शाह ने एंजेलो मैथ्यूज (नौ) और करूणारत्ने (17) को लगातार दो ओवरों में आउट किया। श्रीलंका ने 36 रन पर चार विकेट गंवा दिये थे। धनंजय डिसिल्वा और दिनेश चांदीमल ने पांचवें विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी करके श्रीलंका को मैच में

वापसी कराने की कोशिश की। नसीम ने श्रीलंका के पूर्व कप्तान चांदीमल को 34 रन पर आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। डिसिल्वा 57 रन बनाकर अबरार का शिकार बने। इन दोनों की साझेदारी टूटने के बाद पाकिस्तान के गेंदबाज फिर से मैच पर हावी हो गये। रमेश मेंडिस (27) ने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ टीम के स्कोर को 160 के पार पहुंचाया।

पीएम मोदी के 27 जुलाई को गुजरात के प्रथम ग्रीनफ़ील्ड एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे

गांधीनगर ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 27 तथा 28 जुलाई, 2023 को गुजरात की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। पीएम मोदी 27 जुलाई, 2023 को राजकोट में गुजरात के प्रथम ग्रीनफ़ील्ड एयरपोर्ट-हीरासर ग्रीनफ़ील्ड एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। इसके लिए हाल में राजकोट ज़िला प्रशासन तथा एयरपोर्ट ऑथोरिटी द्वारा ज़ोर-शोर से तैयारियाँ शुरू हो गई हैं। महत्वपूर्ण है कि 7 अक्टूबर, 2017 को प्रधानमंत्री ने ही चोटीला के पास हीरासर गाँव में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया था। अब सौराष्ट्र एवं गुजरात के आर्थिक विकास की उड़ान को नई गति देने वाले इस एयरपोर्ट का उन्हीं के करकमलों से लोकार्पण होने जा रहा है, जिसके चलते सौराष्ट्र के लोगों में उत्साह का माहौल है। वर्ष 2017 में भूमिपूजन के बाद नए ग्रीनफ़ील्ड एयरपोर्ट के निर्माण के लिए एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ़ इंडिया तथा गुजरात सरकार के नागरिक उड्डयन विभाग के बीच एमओयू हुआ था। राजकोट अपने बड़े उद्योगों के साथ-साथ मध्यम और छोटे उद्योगों के कारण भी गुजरात और भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक केन्द्र है। यह शहर वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाज़ार के साथ एयर कनेक्टिविटी ना केवल यहाँ के औद्योगिक विकास को और गति देगी, बल्कि पूरे सौराष्ट्र के लिए रोज़गार के नए अवसर भी पैदा करेगी। इसके अलावा, नए एयरपोर्ट के कारण राजकोट में काफ़ी व्यावसायिक विकास भी होगा। यह एयरपोर्ट अहमदाबाद-राजकोट हाईवे पर स्थित है, जिसके कारण यह एयरपोर्ट इस क्षेत्र में स्थित अनेक उद्योगों के लिए लॉजिस्टिक्स संबंधित समय एवं ख़र्च में कटौती करेगा। मोरबी के सिरामिक उद्योग तथा जामनगर के अन्य उद्योग भी एयर कनेक्टिविटी के लिए राजकोट पर निर्भर हैं। यह नया एयरपोर्ट ट्रैवल लॉजिस्टिक्स, होटल उद्योग, रेस्टोरेंट, वेयरहाउस-कारगो हैंडलिंग, क्लियरिंग बिज़नेस आदि को प्रोत्साहन देगा।

राजकोट इंटरनेशनल एयरपोर्ट को पीएम गतिशक्ति प्रोजेक्ट के अंतर्गत समाविष्ट किया गया है। राजकोट से लगभग 30 किलोमीटर दूर, नेशनल हाईवे नंबर 27 के निकट हीरासर गाँव के पास 1405 करोड़ रुपए की लागत से ग्रीनफ़ील्ड एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। समग्र एयरपोर्ट परिसर 1025.50 हेक्टेयर (2534 एकड़) में फैला हुआ है, जिसमें 1500 एकड़ में एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ़ इंडिया द्वारा एयरपोर्ट का निर्माण किया गया है। इस एयरपोर्ट का रन-वे 3040 मीटर (3.04 किलोमीटर) लंबा तथा 45 मीटर चौड़ा है, जिस पर एक साथ 14 विमान पार्क हो सकेंगे। 50,800 वर्ग मीटर में एप्रोन बेय्स (Apron Bays) बनाया गया है।23 हज़ार वर्ग मीटर में पैसेंजर टर्मिनल बनाया गया है। यहाँ पीक आवर्स में प्रति घण्टा 1280 यात्रियों का संचालन किया जा सकेगा। इस नए ग्रीनफ़ील्ड एयरपोर्ट पर 'सी' प्रकार के प्लेन भी ऑपरेट होंगे और भविष्य में 'ई' प्रकार के प्लेन के लिए भी व्यवस्था की गई है। इसके चलते राजकोट सहित सौराष्ट्र के लोगों को एयरबस ए-380, बोइंग 747, बोइंग 777 जैसे विशाल विमानों की सुविधा भी मिलने लगेगी। एयरपोर्ट पर सोलर पावर सिस्टम, ग्रीन बेल्ट तथा रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी लगाए गए हैं। इस एयरपोर्ट पर एक समानांतर हाफ़ टैक्सी-वे है और रैपिड एग्ज़िट टैक्सी ट्रैक, इंटरिम टर्मिनल बिल्डिंग, कारगो तथा एमआरओ/हैंगर्स की सुविधा भी है। ग्रीनफ़ील्ड एयरपोर्ट को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय एयरोनॉटिकल इनफ़ॉर्मेशन पब्लिकेशन (एआईपी) टैग भी दिया गया है। यह टैग विमानों के संचालन के लिए अति महत्वपूर्ण माना जाता है। यह एयरपोर्ट विशिष्ट सुविधाओं से सज्ज होगा; जिसमें चार पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज, तीन कन्वेयर बेल्ट तथा 8 चेक-इन काउंटर्स शामिल हैं। भविष्य में अन्य 12 चेक-इन काउंटर्स बनाए जाएंगे। इसके अलावा यहाँ अत्याधुनिक फ़ायर फ़ाइटिंग तथा फ़ायर अलार्म सिस्टम की सुविधा भी उपलब्ध है।

इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना : रिमांड पूर्ण होने पर आरोपी तथ्य पटेल को जेल भेजा गया

अहमदाबाद।

पिछले बुधवार को शहर के इस्कॉन ब्रिज पर हुए दुर्घटना के आरोपी तथ्य पटेल को आज जेल भेज दिया गया। तीन दिन के रिमांड पूर्ण होने के बाद पुलिस ने तथ्य पटेल को कोर्ट में पेश किया गया था। पुलिस के अतिरिक्त रिमांड की मांग नहीं करने पर कोर्ट ने आरोपी तथ्य को जेल भेज दिया। कोर्ट ने तथ्य को उसके वकील से मिलने की मांग मंजूर कर ली।

बता दें कि 19 जुलाई की रात अहमदाबाद के एसजी हाईवे स्थित इस्कॉन ब्रिज पर तेज रफ्तार जगुआर कार ने कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया था। इस हादसे में 9 लोगों की घटनास्थल पर और एक की दूसरे दिन अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। घटना को अंजाम देने वाले तथ्य पटेल बिल्डर और राजनीतिक रसूख रखने वाले पिता प्रज्ञेश पटेल का बेटा है। जिसे अपनी रईशी पर इतना गुमान है कि इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना को लेकर उसके मन में कोई पश्चाताप नजर नहीं आ रहा। तेज रफ्तार कार चलाने का आदी तथ्य पटेल इससे पहले 3 जुलाई को शहर के सिंधु भवन रोड स्थित मोव कैफे की दीवार से अपनी कार टकरा दी थी।

उस वक्त तथ्य पटेल थार गाडी चला रहा था। इस घटना में कैफे की दीवार को नुकसान हुआ था। इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के बाद पुलिस की पूछताछ में तथ्य कबूल किया कि 3 जुलाई को इतना नशे में था कि ठीक कार नहीं चला पा रहा था।

इस वजह से 3 जुलाई को उसकी थार गाड़ी मोव कैफे की दीवार से टकरा गई थी। इस मामले में ड्रींक एन्ड ड्राइव का केस दर्ज ना हो इसके लिए तथ्य पटेल के पिता प्रज्ञेश पटेल ने रुपए देकर कैफे मालिक से समाधान कर लिया था। इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना मामले में तथ्य पटेल के खिलाफ सापराध मानव वध समेत कई दफाओं के तहत केस दर्ज किया गया है। इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना में 10 लोगों की मौत को लेकर गुजरातभर में आरोपी के खिलाफ जबर्दस्त आक्रोश है।

महापौर को बदनाम करने भाजपा नगर पार्षद ने रचा षडयंत्र, पुलिस ने किया गिरफ्तार

वडोदरा।

शहर के महापौर निलेश राठौड़ को बदनाम करने के उद्देश्य से उनके खिलाफ एक पत्रिका सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले भाजपा के नगर पार्षद अल्पेश लिंबाचिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। निलेश और अल्पेश के बीच 25 सालों से दोस्ती है, परंतु एक महापौर बनने से दूसरा नाराज था और इसी वजह से उन्हें अपने दोस्त को बदनाम करने की साजिश रची। इस घटना से वडोदरा भाजपा में खलबली मच गई है। वडोदरा के महापौर निलेश राठौड़ के खिलाफ पत्रिका पोस्ट करने के मामले में क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्यवाही करते हुए मौजूदा पार्षद और सत्तापक्ष के पूर्व नेता अल्पेश लिंबाचिया को गिरफ्तार कर लिया है। वडोदरा के इतिहास में पहली बार भाजपा के किसी मौजूदा नगर पार्षद की इस प्रकार गिरफ्तारी हुई है। क्राइम ब्रांच ने यह कार्यवाही अल्पेश लिंबाचिया के लेपटोप और प्रिन्टर से मिले सबूतों के बाद की है। जानकारी के मुताबिक घटना के बाद भाजपा ने अल्पेश लिंबाचिया की सदस्यता रद्द कर दी है। पुलिस को आशंका है कि जुलाई को यह साजिश रची गई थी। पुलिस ने वडोदरा के तरसाली रोड स्थित अल्पेश की ऑफिस से लेपटोप और प्रिन्टर जब्त किया था और उसके बाद उसे जांच के लिए एफएसएल भेज दिया है। जब्त किए गए प्रिन्टर से 250 से अधिक प्रिन्ट निकाले जाने की संभावना है। जांच में पता चला कि महापौर निलेश राठौड़ और अल्पेश राठोड़ 25 साल पुराने दोस्त हैं और पहले वडोदरा के एक ही वार्ड से नगर पार्षद थे। हांलाकि निलेश राठौड़ महापौर बन गए और अल्पेश लिंबाचिया मुंह ताकते रह गए। इसके अलावा निलेश राठौड़ वडोदरा के मांजलपुर विधानसभा सीट से मजबूत दावेदार हैं। इस वजह से अल्पेश लिंबाचिया को अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंता सता रही थी। अल्पेश भी मांजलपुर सीट से विधायक बनना चाहते हैं और इसमें निलेश राठौड़ बड़ी बाधा थे। इसके अलावा भाजपा के वरिष्ठ विधायक योगेश पटेल और निलेश राठौड़ के बीच बढ़ती नजदियां की अल्पेश बर्दास्थ नहीं कर पा रहे थे।

गुजरात में मौसम की अब तक 70 फीसदी औसत बारिश, कच्छ में सबसे अधिक 130 फीसदी

अहमदाबाद। गुजरात में मानसून के आगमन को एक महीने बीत चुका है और इस दौरान राज्य में 69.98 प्रतिशत औसत बारिश हो चुकी है। सबसे अधिक कच्छ में 129.98 प्रतिशत बारिश हुई है। वहीं सौराष्ट्र में 102.96 प्रतिशत, उत्तर गुजरात में 59.82 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 56.04 प्रतिशत, पूर्व गुजरात में 53.56 प्रतिशत मौसम की कुल औसत बारिश हुई है। भारी बारिश की वजह से राज्य के 293 रास्ते बंद हो गे हैं। 11 स्टेट हाईवे और 1 नेशनल हाईवे पर बंद है। राजकोट, जामनगर, जूनागढ़ और पोरबंदर में 2-2 स्टेट हाईवे बंद है। आणंद, भावनगर, गिर सोमनात में 1-1 स्टेट हाईवे बंद है। पंचायत अधीन 255 सड़कें बंद पड़ी हैं। सबसे अधिक जूनागढ़ में 57, पोरबंदर में 47, वलसाड और राजकोट में 33-33, भावनगर में 23, नवसारी में 16 और अन्य 26 रास्ते बंद हो गए हैं। इस बीच स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में भावनगर में सबसे अधिक 4.72 ईंच बारिश हुई। जबकि राज्य की । तहसीलों में 3 ईंच से अधिक बारिश हुई है। जिसमें राजकोट जिले के कोटडा सांगाणी में 94 मिमी और लोधिका में 8 2 मिमी, जामनगर के लालपुर में 84, अमरेली के बाबरा में 83 मिमी, देवभूमि द्वारका के खंभालिया में 81 मिमी, कच्छ के गांधीधाम में 79 मिमी और सूरत शहर में 75 मिमी बारिश हुई है। इसके अलावा देवभूमि द्वारका के कल्याणपुर तहसील में 74 मिमी, भावनगर के सीहोर में 71 मिमी, सूरत के उमरपाडा में 70 मिमी, गिर सोमनाथ के वेरावल में 68 मिमी, बोटाद के गढ़ड़ा में 68, तापी के डोलवण में 63 मिमी, कपराडा में 61 मिमी, तापी के व्यारा में 61 मिमी, कच्छ के अंजार में 60 प्रतिशत, मेहसाणा के सतलासणा में 60 मिमी, नर्मदा के चांदोद में 56 मिमी, गिर सोमनाथ के सूत्रापाडा में 55 मिमी, साबरकांठा में 55 मिमी, भावनगर के उमराला में 54 मिमी, राजकोट में 51 मिमी और भरुच में 50 मिमी समेत 16 तहसीलों में 2 ईंच से अधिक बारिश हुई। जबकि राज्य की 36 तहसीलों में एक ईंच से अधिक बारिश होने की खबर है।

श्री बजरंग सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष हितेश विश्वकर्मा ने जनसेवा के साथ मनाया 37वां जन्मदिन

सूरत भूमि, सूरत। श्री बजरंग सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष हितेश विश्वकर्मा ने रविवार को अपना 37वां जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उन्होंने जरूरतमंदों को खुशियां बांटने का प्रयास किया। उन्होंने स्कूली बच्चों को 500 नोटबुक व 51 विधवा महिलाओं को अनाज किट का वितरण किया। साथ ही इस अवसर पर आमंत्रित मेहमानों का गीता भेंट कर स्वागत किया।

एक हिंदू नेता के रूप में पहचान बनाने वाले श्री बजरंग सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष हितेश विश्वकर्मा हमेशा से जनकल्याण के कार्य करते रहे हैं। यहीं नहीं वे अपने निजी प्रसंगों को भी सामाजिक सरोकार से जोड़कर मानते हैं। रविवार को उन्होंने अपना 37वा जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर भी उन्होंने समाज में सेवा की सुगंध फैलाई। उन्होंने झुग्गियों में रहने वाले स्कूली बच्चों को नोटबुक वितरण और विधवा महिलाओं को अनाज किट का वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शरद पाटिल, भारतीय गौ रक्षा मंच के अध्यक्ष धर्मेश गामी, ओल्ड एज होम के संचालक अनिल बागले, प्राइमेक्स मीडिया के नितेश देसाई, ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव और डॉ.कमलेश मिश्रा, रमण विश्वकर्मा, संजय मिश्रा, महेंद्र पाटिल, प्रणव मिश्रा, अजय मिश्रा मौजूद थे। सभी आमंत्रित मेहमानों के हाथों बच्चों को नोटबुक और विधवा महिलाओं को अनाज किट का वितरण किया गया। सभी ने श्री हितेश विश्वकर्मा को जन्मदिन की शुभकानाएं दी तो लाभार्थियों ने आशीर्वाद दिए।

सूरत भूमि, सूरत। हेमांश फाउंडेशन द्वारा सोमवार को हीरा बाढ़ इलाके में रहने वाली कैंसर से पीड़ित दादी मां रुपमा बहिन की मदद की गयी । फाउंडेशन द्वारा कैंसर पीड़िता को दो महीने की दवाईयां के लिए 5100 रुपये का चैक, राशन का सामान, गैस सिलेंडर और पंखा दिया गया । यह सभी समान जो उनके घर पर उपलब्ध नही था वो उन्हे सहायता के रूप में दिया गया । इस मौके पर हेमांश फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित रहे ।

अग्रवाल एजुकेशन फाउंडेशन की नौवीं वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

सूरत भूमि, सूरत।

अग्रवाल एजुकेशन फाउंडेशन की नौवीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन नरथान गांव सहित महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल परिसर में रविवार को किया गया। सभा की शुरुआत फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने अन्य गणमान्य ट्रस्टियों के साथ माँ सरस्वती एवं महाराजा अग्रसेन को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात् अध्यक्ष द्वारा स्वागत सम्बोधन हुआ । सभा में सचिव अशोक टिबड़ेवाल द्वारा ट्रस्ट एवं महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुति एवं कोषाध्यक्ष विजय खेमानी द्वारा ऑडिटेड बैलेंस शीट/आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया।

साधारण सभा में अग्रवाल एजुकेशन फाउंडेशन में सम्मिलित हुए नए सदस्यों का तथा स्कूल रूम के दान दाताओं का पदाधिकारियों द्वारा मोमेन्टो देकर सम्मान किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष ने अग्रवाल एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल की प्रगति और अपनी भावी योजनाओं के बारे से विस्तार से बताया, उन्होंने स्कूल को पूरी तरह स्थापित करने और एक अच्छे मुकाम पर पहुंचाने का दृढ संकल्प जताया । सभा के अंत में उपाध्यक्ष गिरीश मित्तल ने सभा में उपस्थित सभी माननीय सदस्यों का धन्यवाद किया । इस अवसर पर ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष राजेश पोद्दार, अग्रवाल विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहे । साधारण सभा का राष्ट्र गान के साथ समापन हुआ।

ट्रेंडिंग फैशन कलेक्शन के साथ भारत का प्रमुख फैशन शोकेस 26 और 27 जुलाई को मैरियट होटल में दो दिवसीय हाई-लाइफ प्रदर्शनी आयोजित करेगा

सूरत भूमि, सूरत ।

अपने नवीनतम फैशन का प्रदर्शन करने के लिए तैयार रहें, क्योंकि भारत का प्रीमियर फैशन शोकेस 26 और 27 जुलाई को एक बार फिर मैरियट होटल, अठवालाइन्स, सूरत में बेहद ट्रेंडिंग फैशन कलेक्शन के साथ लौट रहा है। हाईलाइफ प्रदर्शनी में, आप अपनी पसंदीदा और इच्छित बहोत साडी चीजे खरीद सकते हैं। ब्राइडल वियर, डिजाइनर अपैरल, ज्वैलरी, फैशन एक्सेसरीज और होम एक्सेसरीज से लेकर फर्निशिंग कॉन्सेप्ट्स, आर्टवर्क्स और डेकोरेशन तक यहां के खास आकर्षण हैं। इस त्योहारी सीजन में, हाईलाइफ प्रदर्शनी एक बार फिर आपके खरीदारी के अनुभव को समृद्ध करने के लिए एक नया ट्रेंड शुरू करने के लिए तैयार है।

इवेंट के आयोजक एबी डोमिनिक ने बताया की, "इस दो दिवसीय हाई लाइफ प्रदर्शनी में हम विशेष फैशन के संग्रह पेश करेंगे। हमारी प्रदर्शनी में पर्सनल स्टाइलिंग और लाइफस्टाइल इंडस्ट्री के बड़ी संख्या में फैन्स मौजूद रहेंगे। इस शो के माध्यम से, हम चाहते हैं कि सूरत के फैशन प्रशंसक भी वैश्विक बाजारों और भारतीय बाजारों में प्रचलित समकालीन, रोमांचक और आधुनिक डिजाइनों का अनुभव करें। इस शोकेस के साथ, हम एथनिक और फैशन आउटफिट और होम डेकोरेशन सूरतियों के लिए लेके आ रहे है । इसलिए मैं सूरत के फैशन प्रेमियों को शुभकामनाएं देता हूं कि वे आगामी अवसरों के लिए उत्तम दर्जे का और फैशनेबल रहें। मुझे यकीन है कि उच्च जीवन प्रदर्शनी उन्हें भारत की सबसे खूबसूरत कृतियों से लाभान्वित करेगी और देश भर के 150 से अधिक डिजाइनर हमारी प्रदर्शनी में अपनी रचनाओं का प्रदर्शन करेंगे।

फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस ने एमएसएमई द्वारा डिजिटल एडॉप्शन को बढ़ावा देने के लिए अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ सैलर-फ्रैंडली नीतियों में किया विस्तार

बेंगलुरु।

भारत के स्वमदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्ले स फ्लिपकार्ट ने अधिक समावेशी सैलर इकोसिस्ट म को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रयासों को और मजबूत बनाने के इरादे से पहले से अधिक मजबूत और व्यामपक स्तेर पर सैलर-केंद्रित नीतियों को पेश किया है। यह पहल, देशभर में एमएसएमई को और मजबूत बनाएगी। 'फ्लिपकार्ट ऍंज' पहल के तहत् पेश ये नीतियां 2022 में शुरू किए गए हस्तबक्षेपों की बुनियाद पर तैयार की गई हैं। यह प्रोग्राम कारोबारों को ऑनलाइन बिज़नेस के अवसरों का लाभ उठाने के साथ-साथ फ्लिपकार्ट के प्ले टफार्म पर कारोबार करने की सहूलियतों को और बढ़ावा देगा। इन नीतियों के लागू होने पर, ऑनलाइन सैलर इकोसिस्टसम, ई-कॉमर्स द्वारा प्रस्तुपत जबर्दस्तइ संभावनाओं का लाभ उठाकर विकास के अगले चरण की ओर कदम बढ़ाएगा। ये नई नीतियां सैलर इकोसिस्टाम को अधिक स्पतष्टतता, नियंत्रण तथा पारदर्शिता जैसी खूबियों से सुसज्जित बनाते हुए सशक्तस करेगा। इस सिलसिले में, कीमतों से संबंधित अनुशंसाएं, प्रमोशंस, रिवार्ड्स प्ले टफार्म, फुलफिलमेंट और स्पीड इनीशिएटिव्सं तथा गाइडेंस असिस्टेंरस शामिल हैं, जो फ्लिपकार्ट प्लेहटफार्म पर कीमतों के मोर्चे पर दक्षता और बिज़नेस ऑपरेशंस की सस्टेअनेबिलिटी में सुधार लाने में मददगार साबित होंगी।

राकेश कृष्णमन, वाइस प्रेसीडेंट एवं हैड – मार्केटप्ले्स, फ्लिपकार्ट ने कहा, "भारत के स्वपदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेगस के तौर पर, हमारा प्रयास इनोवेट, इवॉल्वल करने के साथ-साथ ऐसी नीतियों को पेश करने का रहता है जो हमारे प्ले टफार्म की सफलता और कारोबारों की समृद्धि बढ़ाने में मददगार साबित हो सकें। हम अपने प्लेटफार्म पर अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ सॉल्यूदशंस के जरिए, कारोबारों के लिए डिजिटल ट्रांजिशन को पहले से भी अधिक सुविधाजनक और आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

'फ्लिपकार्ट ऍंज'के अंतर्गत नए फीचर्स की पेशकश का मकसद सैलर कम्यूर्निटी के लिए निरंतर सपोर्ट प्रदान करने के साथ-साथ कारोबार करने की सहूलियतों को बढ़ावा देना और उनके निरंतर विकास में मदद देना शामिल है। हमारे टैक्नोलॉजी आधारित सॉल्यूाशंस और क्षमताओं को ऑनलाइन कारोबारी परिचालनों की सुविधा में सुधार तथा दक्षता बढ़ाने के मकसद से तैयार किया गया है।"

इनके अलावा पिछले साल दो चरणों में उद्योग में पहली बार पेश नीतियों और क्षमताओं ने 11 लाख से अधिक सैलर्स को प्लेैटफार्म से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है, जिसके परिणामस्वारूप 2021 की तुलना में 2022 में, सैलर बेस में 220 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। ये क्षमताएं पिछले साल शुरू किए गए फ्लिपकार्ट के प्रयासों में विस्तामर हैं, जिनमें सुगम ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया, आसान लिस्टिंग और पेमेंट नीतियां शामिल थीं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)